MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-237

करोड़ों रफा-दफा!

100 रुपये का सेटलमेंट 30 पैसे में

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप किसी बैंक से 100 रुपये का कर्ज लें और बाद में बैंक के पास जाकर कहें कि भाई, मेरे पास पैसे नहीं हैं, आप सिर्फ 30 पैसे रखकर मेरा पूरा कर्ज माफ कर दो... तो सोचिए बैंक मैनेजर का क्या रिएक्शन होगा? आम इंसान के लिए तो यह किसी हसीन सपने जैसा लगता है, लेकिन भारत के बड़े उद्योगपतियों और कॉरपोरेट जगत में ऐसा सचमुच हो रहा है। देश के दिवाला समाधान न्यायाधिकरण ने मीडिया दिग्गज और जी समूह के पूर्व चेयरमैन सुभाष चंद्रा को लेकर एक ऐसा ही फैसला सुनाया है, जिसने देश के बैंकिंग तंत्र और आर्थिक हलकों में बहस छेड़ दी है। इस मामले में विजय माल्या और कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी काफी चर्चा में है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाला समाधान न्यायाधिकरण ने सुभाष चंद्रा को 22,006.57 करोड़ रुपये के भारी-भरकम कर्ज से मुक्त होने की हरी झंडी दे दी है। इसके बदले उन्हें महज 6.5 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। यदि इसका हिसाब लगाया जाए तो यह कर्ज की कुल राशि का लगभग 99.97 प्रतिशत हिस्सा माफ होने जैसा है। सरल शब्दों में कहें तो 100 रुपये के भारी-भरकम कर्ज के बदले महज 30 पैसे देकर पूरे कर्ज से आजादी मिल गई।

हालांकि, सुभाष चंद्रा के कार्यालय की ओर से सफाई दी गई है कि जिस 22 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का जिक्र मीडिया में हुआ है, उसमें उनकी भूमिका गारंटर की है। उनके कार्यालय के मुताबिक, इसमें उनकी अपनी देनदारी 3,992 करोड़ रुपये की है। इस मामले में उन्होंने स्वयं कोई कर्ज नहीं लिया है।

विजय माल्या की बधाई में छुपा दर्द और तंज

जैसे ही यह खबर सामने आई, ब्रिटेन में रह रहे भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सुभाष चंद्रा को खास अंदाज में बधाई दी और साथ ही देश की दिवाला समाधान व्यवस्था पर करारा तंज कसा।

माल्या ने चुटकी लेते हुए लिखा कि, मुझसे सरकारी तौर पर घोषित 6,203 करोड़ रुपये के कर्ज के बदले अब तक 14,100 करोड़ रुपये वसूले जा चुके हैं। यानी जितने का कर्ज था, उससे दोगुने से ज्यादा पैसा वसूला गया, फिर भी मुझे कोई राहत नहीं मिल रही है। और दूसरी तरफ 22,000 करोड़ का कर्ज महज 6.5 करोड़ देकर खत्म हो रहा है। शायद यही भारत में कर्ज निपटाने वाला असली न्याय है... और कमाल की बात देखिए, इस पर कोई सवाल भी नहीं पूछ रहा है!

विजय माल्या का यह तंज भले ही खुद को पीड़ित दिखाने का एक तरीका हो, लेकिन उनके बयान ने भारतीय वित्तीय व्यवस्था को लेकर एक बड़ी बहस जरूर छेड़ दी है। माल्या खुद बैंकों के पैसे से जुड़े मामले में भारत से बाहर रह रहे हैं और उनके खिलाफ लंबे समय से कानूनी कार्रवाई चल रही है। ऐसे में दूसरों को कर्ज निपटाने में राहत मिलती देख उनकी प्रतिक्रिया भी चर्चा का विषय बन गई है।

हेयरकट या फिर सीधा मुंडन? कांग्रेस का तीखा हमला

दिवाला समाधान न्यायाधिकरण देश में दिवालिया हो रही कंपनियों, बैंकों और देनदारियों के समाधान की प्रक्रिया के तहत फैसले करता है।

वित्तीय जगत की भाषा में कर्ज में इस तरह की कटौती को हेयरकट कहा जाता है। यानी कर्जदाता द्वारा बकाया राशि के एक हिस्से को छोड़ देना। लेकिन जब कर्ज की करीब 99.97 प्रतिशत राशि ही कम हो जाए तो इसे लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार और ट्रिब्यूनल पर जोरदार हमला बोला। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि दिवाला समाधान के नाम पर दी गई यह राहत दरअसल हेयरकट नहीं, बल्कि बैंकों का सरेआम मुंडन है।

उन्होंने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता 2016 को इसलिए लाया गया था, ताकि बैंकों का फंसा हुआ पैसा जल्दी वापस आ सके। लेकिन इस तरह 99.9 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती देना इस कानून की मूल भावना पर सवाल खड़ा करता है। ▶8पर

सौजन्या परिवार आत्महत्या

मेरठ से आरोपी सादिक खान गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश पुलिस और मेरठ पुलिस की हिरासत में आरोपी सादिक खान

काकीनाडा पुलिस ने मीडिया को इस बारे में जानकारी दी

काकीनाडा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पुलिस को भी हैरान कर दिया। 17 अगस्त की देर रात एक परिवार ने रोड-कम-रेलवे ब्रिज से गोदावरी नदी में छलांग लगा दी। परिवार में 34 वर्षीय कोव्वुरी सौजन्या, उनके माता-पिता तिल्लापुडी नूकराजू और तिल्लापुडी मीना तथा सौजन्या का 10 वर्षीय बेटा रियांश कार्तिकेय रेड्डी शामिल थे। इस घटना में सौजन्या और उनके माता-पिता की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा चमत्कारिक रूप से बच गया।

पुलिस के मुताबिक, परिवार काकीनाडा से पहले कोव्वुर पहुंचा था और इसके बाद देर रात राजमुंदरी के पुल पर गया। बताया गया कि सबसे पहले नूकराजू और मीना ने नदी में छलांग लगाई। इसके बाद सौजन्या अपने 10 वर्षीय बेटे को लेकर नदी में कूद गईं।

रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर राजमुंदरी द्वितीय टाउन पुलिस को 112 आपातकालीन सेवा के जरिए घटना की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पुल पर परिवार की कार और जूते मिले।

पुलिस ने नदी में मौजूद मछुआरों को तुरंत अलर्ट किया। दो मछुआरों ने तलाश शुरू की और पुल की ग्रिल में फंसे रियांश को बचा लिया। बच्चा बाद में नदी में गिर गया था, लेकिन समय रहते उसे बाहर निकाल लिया गया।

हालांकि, सौजन्या और उनके माता-पिता को बचाया नहीं जा सका। तीनों के शव बाद में नदी से बरामद किए गए।

सुसाइड नोट से खुला मामले का नया मोड़

घटना की जांच के दौरान पुलिस को परिवार की ओर से लिखे गए सुसाइड नोट मिले। इन नोट्स ने पूरे मामले को एक नए मोड़ पर पहुंचा दिया। सौजन्या ने अपने नोट में कथित तौर पर लिखा कि सादिक खान की प्रताड़ना उनकी मौत की वजह थी। ▶8पर

नगर निगमों समेत शेष निकाय चुनाव दिसंबर में!

हैदराबाद, 27 अगस्ते (शुभ लाभ ब्यूरो)। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम अक्टूबर तक पूरा होने की संभावना के बीच कांग्रेस सरकार 5 नगर निगमों सहित शेष शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के चुनाव दिसंबर में कराने पर विचार कर रही है। कई नगर निकायों का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका है और यदि चुनावों में और देरी होती है तो सरकार को वित्त आयोग के कोष (फंड) का नुकसान होने का जोखिम बना हुआ है। सरकार शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के तुरंत बाद जिला परिषदों और मंडल परिषदों के चुनाव कराने पर भी विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य लंबित स्थानीय निकाय चुनाव चक्र को बिना किसी और देरी के पूरा करना है।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 19 अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। यदि दावों, आपत्ति दर्ज करने और उनके निपटारे की समय सीमा बढ़ाई भी जाती है, तब भी यह अभ्यास 31 अक्टूबर तक समाप्त होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि सरकार निकाय चुनावों के लिए संशोधित मतदाता सूची का उपयोग करने की योजना बना रही है। ▶8पर

मूड ऑफ द नेशन सर्वे

NDA 326, INDIA 185

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अगर देश में आज लोकसभा चुनाव हो जाएं तो केंद्र में किसकी सरकार बनेगी? प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद कौन है और राज्यों में सियासी हवा किस तरफ बह रही है? इन तमाम सवालों के जवाब इंडिया टुडे और सी-वोटर के ताजा मूड ऑफ द नेशन सर्वे में सामने आए हैं।

अगर आज लोकसभा चुनाव होते हैं तो केंद्र में एक बार फिर एनडीए की सरकार बन सकती है। सर्वे के मुताबिक, लोकसभा चुनाव होने पर एनडीए को 326 सीटें, इंडिया गठबंधन को 185 सीटें और अन्य के खाते में 32 सीटें जाने का अनुमान है।

वोट प्रतिशत की बात करें तो एनडीए को 45 प्रतिशत, इंडिया गठबंधन को 39 प्रतिशत और अन्य को 16 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान जताया गया है। सर्वे के मुताबिक, अकेले भाजपा को 261 सीटें मिल सकती हैं, जबकि कांग्रेस के खाते में 106 सीटें जाने का अनुमान है। अन्य दलों को कुल 176 सीटें मिलने का अनुमान है।

कैसे किया गया सर्वे?

देश के सभी राज्यों और लोकसभा क्षेत्रों में 1 जुलाई 2026 से 25 अगस्त 2026 के बीच अलग-अलग आयु वर्ग, जाति, धर्म और लिंग के 25,184 वयस्कों की राय ली गई। इसके अलावा पिछले 24 हफ्तों में 91,795 लोगों से ली गई राय का विश्लेषण भी सर्वे में शामिल किया गया।

इस तरह कुल 1,16,644 लोगों की राय का निचोड़ लेकर देश के अलग-अलग मुद्दों पर जनता का मूड समझने की कोशिश की गई है। सर्वे के आंकड़ों में मोटे तौर पर 3 प्रतिशत और बारीक स्तर पर 5 प्रतिशत तक का त्रुटि-मार्जिन हो सकता है।

राज्यों में किसकी बढ़त?

राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को 40 प्रतिशत और एनडीए को 42 प्रतिशत वोट प्रतिशत मिलने का अनुमान है। वहीं, सीटों के मामले में इंडिया गठबंधन को 41 सीटें और एनडीए को 38 सीटें मिल सकती हैं।

महाराष्ट्र में एनडीए को 49 प्रतिशत और इंडिया गठबंधन को 43 प्रतिशत वोट प्रतिशत मिलने का अनुमान है। यहां एनडीए को 31 सीटें, जबकि इंडिया गठबंधन को 17 सीटें मिल सकती हैं।पश्चिम बंगाल में तस्वीर एनडीए के पक्ष में दिखाई दे रही है। यहां एनडीए को 46 प्रतिशत, जबकि इंडिया गठबंधन को केवल 11 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। सीटों में एनडीए को 35 और इंडिया गठबंधन को 7 सीटें मिलने का अनुमान है। ▶8पर

पीएम मोदी पहली पसंद राहुल दूसरी, विजय तीसरे स्थान पर

अगर आज देश में लोकसभा चुनाव हो जाएं तो प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद कौन होगी? इस सवाल का जवाब इंडिया टुडे और सी-वोटर के ताजा मूड ऑफ द नेशन सर्वे में सामने आया है। सर्वे में प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी अब भी सबसे पसंदीदा चेहरा बने हुए हैं। उनके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम आता है। वहीं, तीसरे नंबर पर जो नाम सामने आया है, वह भी काफी अहम और चौंकाने वाला है। सर्वे के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। मोदी के बाद राहुल गांधी दूसरे नंबर पर हैं। राहुल गांधी की लोकप्रियता पिछले कुछ सर्वे में लगातार बढ़ती दिखाई दी है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री पद की पसंद के मामले में नरेंद्र मोदी उनसे काफी आगे हैं।

सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी की पकड़ अभी भी मजबूत है। वहीं, राहुल गांधी विपक्ष के सबसे प्रमुख चेहरे के तौर पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पद की पसंद में तीसरे नंबर का नाम खासा चर्चा में है। दरअसल, तीसरे नंबर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का नाम सामने आया है।

सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद के लिए 49 प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी को अपनी पहली पसंद बताया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

कार्यक्रम रद्द कराने की कोशिश में ममदानी

भागवत राह में रोडा!

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में गुरुवार को अमेरिकन हिंदूज फॉर इंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम यानी एहेड का एक्स अकाउंट निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम को लेकर चल रहे विवाद के बीच हुई है। एहेड इस कार्यक्रम के आयोजकों में से एक है।

एक अन्य आयोजक हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा सलाह जारी की है। एचएएफ ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। संगठन ने दावा किया कि कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कई संगठनों ने विरोध किया है।

एचएएफ ने आरोप लगाया कि हिंदू-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले कुछ कार्यकर्ता कार्यक्रम को रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, एचएएफ की सुरक्षा सलाह में किसी आतंकी या हिंसक खतरे की पुष्टि नहीं की गई है। ▶8पर

नेपाल खतरे में

झील के टूटने का डर, अब तक 359 मौते

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। तिब्बत में भोटेकोशी नदी में आए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में अब तक 359 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1,500 लोग लापता हैं। इनमें से 290 भारतीय बताए जा रहे हैं। लेकिन नेपाल की चिंता अभी कम नहीं होनी चाहिए, क्योंकि खतरा टला नहीं है। इसकी वजह यह है कि नेपाल में अपने प्रचंड वेग से कहर बरपाने वाली भोटेकोशी नदी का बहाव एक बार फिर बंद हो गया है।

नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी के उद्गम स्थल के पास एक नई झील बनने के कारण नदी के निचले इलाकों में बाढ़ का नया खतरा पैदा हो गया है। चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यह झील टूट सकती है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता

चलता है कि यहां एक बार फिर झील बन गई है और उसमें पानी जमा हो रहा है। यह झील उसी स्थान पर बनी है, जहां 26 अगस्त को भूस्खलन और बाढ़ की घटना हुई थी। इस झील में हिमालयी क्षेत्रों से आया पानी भर रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, झील में पानी बढ़ने के साथ उसके ऊपर से बहाव भी शुरू हो गया है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चीन ने पीली नदी के नीचे बनाई डबल-डेकर सुरंग, सरपट दौड़ेंगे वाहन

यह अंडरवाटर सुरंग 5,755 मीटर लंबी है, इंजीनियरिंग का बनाया रिकार्ड

जिनान

चीन ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। पूर्वी चीन के शेडोंग प्रांत के जिनान शहर में पीली नदी के नीचे बनाई गई दुनिया की सबसे बड़े व्यास वाली पानी के नीचे शील्ड सुरंग का निर्माण पूरा होने के बाद इसे चालू कर दिया गया है। इस सुरंग की खास बात है इसका डबल-डेकर डिजाइन। एक ही सुरंग के अंदर दो अलग-अलग स्तर बनाए गए हैं, जिन पर वाहन दौड़ सकेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विशाल अंडरवाटर सुरंग करीब 5,755 मीटर लंबी है। इसका मुख्य शील्ड हिस्सा करीब 3,290 मीटर का है। सुरंग निर्माण के लिए 17.5 मीटर व्यास वाली अत्याधुनिक और विशाल टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया। इसे पीली नदी के नीचे बनाई गई चीन की पहली सिंगल-बोर डबल-डेकर शील्ड सुरंग बताया जा रहा है। सुरंग में वाहनों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तय की गई है। इस परियोजना को पूरा करना इंजीनियरों के लिए चुनौतीपूर्ण था।

निर्माण के दौरान पीली नदी के तटबंध और नदी के नीचे मौजूद संवेदनशील भूभाग से होकर सुरंग तैयार करनी पड़ी। परियोजना टीम को कुल 28 प्रमुख तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इनमें खुदाई के दौरान सुरंग की स्थिरता बनाए रखना, नदी तटबंध के नीचे से गुजरते समय जमीन धंसने की आशंका को नियंत्रित करना और विशाल सुरंग संरचना को ऊपर उठने से रोकना शामिल था।

रिपोर्ट के मुताबिक खुदाई में निकलने वाले भारी मात्रा के कीचड़ और स्लरी का पर्यावरण के अनुकूल निपटारा भी बड़ी चुनौती थी। निर्माण में कई अहम रिकार्ड भी बने। परियोजना में एक दिन में अधिकतम 18 मीटर तक खुदाई की गई, जबकि एक महीने में 426 मीटर तक सुरंग निर्माण का आंकड़ा हासिल किया गया। इसे 17 मीटर श्रेणी की शील्ड टनलिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है।

बता दें हाल के वर्षों में चीन ने सुरंग और भूमिगत निर्माण तकनीक के क्षेत्र में तेजी से अपनी क्षमता बढ़ाई है। आधुनिक टनल बोरिंग मशीनों और उन्नत इंजीनियरिंग तकनीक के इस्तेमाल से वहां बड़े और जटिल बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट तेजी से पूरे किए जा रहे हैं।

पीली नदी जैसे विशाल और संवेदनशील क्षेत्र के नीचे दो मंजिला सुरंग का निर्माण चीन की तकनीकी क्षमता का नया उदाहरण है। यह परियोजना केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक इंजीनियरिंग और भूमिगत निर्माण तकनीक में चीन की बढ़ती ताकत को भी दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने का काम तेज, 15 से अधिक उड़ानें

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने कहा कि भोटेकोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक राहत एवं सहायता सामग्री तेजी से पहुंचाई जा रही है। प्रधानमंत्री शाह के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में बचाव के लिए हेलीकाप्टर उड़ानें शुरू कर दी गई थीं। सुबह से अब तक 15 से अधिक उड़ानें हो चुकी हैं, जबकि अतिरिक्त हेलीकाप्टरों को भी उड़ान के लिए तैयार रखा गया है। प्रधानमंत्री शाह ने बताया कि नेपाली सेना द्वारा चलाए गए बचाव अभियान के तहत रसुवा के टिमुरे से 116 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इनमें 95 नेपाली और 21 भारतीय नागरिक शामिल हैं। इसी अभियान के दौरान एक सुरंग में फंसे 7 नेपाली नागरिकों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में जनरेटर, पोर्टेबल मोबाइल टावर, चिकित्सा सामग्री, टेंट तथा लोहे और पत्थर काटने वाली मशीनें पहुंचाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा प्रभावित इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और मोबाइल फोन चार्जिंग की अस्थायी व्यवस्था जल्द शुरू की जाएगी।

चीन से जेट विमान खरीदने की तैयारी में बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश अपनी वायुसेना को सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसी क्रम में वह चीन निर्मित जे-10सीई मल्टीरोल फाइटर जेट हासिल करने की योजना पर काम कर रहा है।

सरकार इस वित्तीय वर्ष या आगामी बजट में चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों, अटैक हेलीकाप्टरों, वीआईपी हेलीकाप्टरों और यूएवी ड्रोन्स की खरीद पर विचार कर रही है। इन सौदों के लिए मसौदा समझौते तैयार कर लिए गए हैं, जिन्हें मंजूरी के वास्ते सशस्त्र बल प्रभाग और संबंधित मंत्रालयों के पास भेज दिया गया है। इस खरीद के पीछे मुख्य तर्क रक्षा क्षमताओं का आधुनिकीकरण और किफायती विकल्प तलाशना है। अधिकारियों के अनुसार, पश्चिमी देशों के राफेल या यूरोफाइटर टाइफून जैसे लड़ाकू विमानों की तुलना में चीनी विमान काफी कम कीमत पर उपलब्ध हैं। कम लागत और उच्च गुणवत्ता के संतुलन को देखते हुए सरकार रक्षा क्षेत्र में यह कदम उठाने जा रही है ताकि कम बजट में भी वायुसेना की मारक क्षमता को मजबूत किया जा सके। इस रक्षा खरीद को हालिया राजनीतिक बदलावों और स्वतंत्र विदेश नीति से भी जोड़ा जा रहा है। जानकारों का तर्क है कि देश में हुए हालिया राजनीतिक परिवर्तनों के बाद ढाका को अपनी स्वतंत्र रक्षा और विदेश नीति के फैसले लेने में अधिक स्वायत्तता मिली है। पहले क्षेत्रीय समीकरणों के चलते इस तरह के सैन्य सौदों पर खुलकर विचार करना कठिन था, लेकिन अब रणनीतिक हितों के आधार पर निर्णय लिए जा रहे हैं। दूसरी ओर, इन विमानों के युद्ध प्रदर्शन और दावों को लेकर भी विभिन्न चर्चाएं हैं।

अमेरिका ने बताया सीआईए प्रमुख के मास्को दौरे का मकसद, यूक्रेन युद्ध समाप्ति पर हुई चर्चा के दिए संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक जान रैटक्लिफ का हालिया मास्को दौरा किस उद्देश्य से हुआ था।

ट्रंप ने संकेत दिया कि खुफिया प्रमुख यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने संबंधी उच्च-स्तरीय चर्चा के लिए रूसी राजधानी में मौजूद थे। एक बातचीत में ट्रंप ने कहा कि रैटक्लिफ का यह दौरा लगभग एक नियमित प्रक्रिया जैसा था, जिसका उद्देश्य लोगों को निराश करना नहीं, बल्कि यूक्रेन के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त होते देखना था। यह बयान तब आया है जब यूक्रेन में युद्ध लगातार तेज हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास ठप पड़ गए हैं। ट्रंप ने उन अटकलों और दावों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया कि रैटक्लिफ नाटो के संकल्प की परीक्षा लेने या ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने जैसे अन्य भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मास्को गए थे। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि रैटक्लिफ उन बताए जा रहे किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए वहां नहीं थे। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि इन वार्ताओं से कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं, क्योंकि अमेरिका इस युद्ध को समाप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सच कहें तो इस समय दोनों पक्ष इस संघर्ष को समाप्त होते देखना चाहते हैं। यह टिप्पणी संघर्ष में शामिल दोनों प्रमुख राष्ट्रों के बीच पर्दे के पीछे चल रही बातचीत की संभावना को उजागर करती है। मास्को ने भी इस यात्रा की पुष्टि की, क्रेमलिन ने जानकारी दी कि रैटक्लिफ ने अपनी मास्को यात्रा के दौरान रूस की विशेष सेवाओं के साथ संपर्क स्थापित किया था।

तैयारी : दो लाख विदेशी लोगों को अमेरिका से बाहर करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक बड़े कदम की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत देश में शरण पाने के लिए आवेदन कर चुके या फिलहाल आवेदन की प्रक्रिया में शामिल लगभग दो लाख विदेशी नागरिकों के कारोबारी (बी1) और पर्यटन (बी2) वीजा रद्द किए जा सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी इतिहास में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में वीजा रद्द किए जाने की सबसे बड़ी कार्रवाई होगी और इसके परिणामस्वरूप कानूनी चुनौतियां सामने आने की पूरी संभावना है।

अमेरिकी विदेश विभाग के दस्तावेजों और दो अधिकारियों के अनुसार, यदि इस फैसले को चुनौती नहीं दी गई या इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया, तो विदेश विभाग आने वाले हफ्तों में 2016 से 2026 के बीच जारी किए गए बी1 और बी2 वीजा रद्द करने की घोषणा कर सकता है। इस कार्रवाई में वे सभी वीजा धारक शामिल होंगे, जिन्होंने अमेरिका में शरण के लिए आवेदन किया है या वर्तमान में शरण मांग रहे हैं। यह कार्रवाई गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के समन्वय से की जाएगी।

विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका विभाग गृह सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर ऐसे विदेशी नागरिकों की पहचान कर रहा है और उनके गैर-आप्रवासी वीजा रद्द करने पर काम कर रहा है, जो अमेरिका में अल्पकालिक आगंतुक के रूप में आए थे, लेकिन बाद में यहां स्थायी रूप से रहने के लिए शरण का आवेदन दाखिल कर देते हैं। उन्होंने वीजा रद्द किए जाने की संभावित संख्या पर टिप्पणी करने से इनकार किया, लेकिन बताया कि यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगी और रद्द किए जाने वाले वीजा की संख्या लगातार बदलती रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वीजा रद्द होने का मतलब यह जरूरी नहीं है कि संबंधित लोगों को तुरंत अमेरिका से निर्वासित कर दिया जाएगा। उन्होंने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि फिलहाल जिन लोगों के शरण संबंधी मामले लंबित हैं, उनमें से अधिकांश की श्रेणी बदली जा सकती है, लेकिन वे कारोबारी या पर्यटन यात्री के रूप में अपना वीजा दर्जा खो देंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के पिछले साल दूसरी बार कार्यभार संभालने के बाद से उनके प्रशासन ने वीजा आवेदकों पर लगातार पाबंदियां कड़ी की हैं। इनमें आवेदकों से उनके सोशल मीडिया इतिहास के बारे में अधिक जानकारी मांगना, वीजा प्रक्रिया के लिए महंगे बान्ड जमा करने की अनिवार्यता और कुछ देशों के नागरिकों को वीजा जारी करने पर पूरी तरह रोक लगाना शामिल है।

चीन ने समंदर में खड़ी कर दी अमेरिकी विमानों के लिए चुनौती, विमान मंडराते ही ड्रैगन करेगा शिकार, ताइवान भी कांपा

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर के विवादित पारासेल द्वीपसमूह में चीन की सैन्य गतिविधियां एक बार फिर चर्चा में हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से यागोंग द्वीप पर नए निर्माण कार्यों का पता चला है। यह द्वीप एंटीलोप रीफ के पास स्थित है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन इस क्षेत्र में बड़े सैन्य ढांचे को विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय तनाव के साथ अमेरिका और ताइवान की सुरक्षा चिंताएं भी बढ़ सकती हैं। सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, यागोंग द्वीप पर मार्च-अप्रैल से निर्माण गतिविधियां जारी हैं। 17 अगस्त की तस्वीरों में द्वीप के तीन तरफ फैली कुछ नई संरचनाएं दिखाई दे रही हैं। इनके वास्तविक उद्देश्य की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इनका स्वरूप दक्षिण चीन सागर में मौजूद कुछ सैन्य रडार और शुरुआती चेतावनी प्रणालियों से मिलता-जुलता है। आशंका है कि यहां एंटीलोप रीफ पर विकसित किए जा रहे बड़े ढांचे के समर्थन में निगरानी या अर्ली वार्निंग रडार स्टेशन बनाया जा सकता है। एंटीलोप रीफ पर चीन पहले ही बड़े पैमाने पर निर्माण कर चुका है। यहां कृत्रिम भूमि का विस्तार किया गया है और करीब छह किलोमीटर लंबा कृत्रिम द्वीप तैयार किया गया है। इसकी सीधी तटीय पट्टी तीन किलोमीटर से अधिक लंबी बताई जाती है। विशेषज्ञ इसे संभावित हवाई पट्टी से जोड़कर देख रहे हैं। यागोंग द्वीप एंटीलोप रीफ से करीब 14 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। चीन ने आधिकारिक तौर पर यहां नए सैन्य अड्डे की पुष्टि नहीं की है। चीन की ओर से ऐसी गतिविधियों को मौसम पूर्वानुमान, मत्स्य संरक्षण और वैज्ञानिक शोध जैसी नागरिक जरूरतों से जोड़कर बताया जाता है।

युवाओं के बीच तेजी से बढ रहा वायसमैक्सिंग का चलन

वाशिंगटन

युवाओं के बीच लुक्समैक्सिंग और प्रोटीनमैक्सिंग के बाद अब वायसमैक्सिंग का चलन देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में टिकटाक और इंस्टाग्राम पर कई युवा अपनी आवाज को अधिक भारी और मर्दाना बनाने के तरीके साझा कर रहे हैं। युवाओं में खुद को बेहतर दिखाने और आकर्षक बनाने के लिए तरह-तरह के मैक्सिंग ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उनका मानना है कि गहरी आवाज उन्हें डेटिंग में अधिक आकर्षक बना सकती है। इसके लिए कुछ लोग वोकल एक्सरसाइज से लेकर एआई आधारित ऐप्स तक का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि आवाज को जबरन बदलने की कोशिश नुकसानदायक हो सकती है। आवाज की पिच मुख्य रूप से गले में मौजूद वोकल फोल्ड्स की लंबाई और मोटाई पर निर्भर करती है। वायस बाक्स को लैरिंग्स कहा जाता है, जो श्वासनली के ऊपर स्थित होता है। इसके भीतर मांसपेशियों से बने वोकल फोल्ड्स होते हैं। किशोरावस्था के दौरान टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के प्रभाव से लड़कों के वोकल फोल्ड्स मोटे और लंबे हो जाते हैं, जिससे उनकी आवाज में स्वाभाविक रूप से गहराई आती है।

उम्र बढ़ने के बाद आवाज की मूल पिच काफी हद तक स्थिर हो जाती है। सोशल मीडिया पर वायसमैक्सिंग के नाम पर कुछ ऐसे उपाय भी बताए जा रहे हैं, जिनकी वैज्ञानिक उपयोगिता स्पष्ट नहीं है। कुछ युवा आवाज को भारी बनाने के लिए नेक क्रंचेज जैसी एक्सरसाइज करते हैं और मानते हैं कि गर्दन की मांसपेशियां मजबूत होने से आवाज गहरी हो जाएगी। वायस विशेषज्ञों के अनुसार गर्दन की मांसपेशियां बढ़ाने का आवाज की पिच से सीधा संबंध नहीं है। गलत तरीके से गले पर दबाव डालने या आवाज को कृत्रिम रूप से नीचे खींचने से वोकल फोल्ड्स पर तनाव पड़ सकता है। कुछ सामान्य वोकल हेल्थ उपाय, जैसे पर्याप्त पानी पीना और सही तरीके से सांस लेने का अभ्यास, आवाज के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर बताए जा रहे कई अन्य तरीकों के समर्थन में पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं।

युवा अपनी आवाज को आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न मोबाइल ऐप्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ ऐप आवाज को मर्दाना या आकर्षक बताकर रेटिंग देते हैं और बदलाव के सुझाव देते हैं। आवाज में जबरन बदलाव करने वाले जोखिम भरे प्रयोग लंबे समय में गले और वोकल कार्ड्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नेपाली सेना ने 21 भारतीयों सहित 123 लोगों को सुरक्षित बचाया

काठमांडू। नेपाल में रसुवा की भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद खोज एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर शुरू है। नेपाली सेना ने हेलीकाप्टर के जरिए 123 लोगों का सुरक्षित निकाल लिया। इनमें 21 भारतीय पर्यटक भी शामिल हैं। नेपाली सेना के अनुसार, टिमुरे क्षेत्र से 95 लोगों, हाकु स्थित एक जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे 7 लोगों और लापता 21 भारतीय पर्यटकों को जीवित सुरक्षित बाहर निकाला गया है। सेना ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र की अन्य सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अपने 4 यादगार वर्षों के अनुभवों को किया साझा

हैदराबाद । तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त, महामहिम गैरेथ विन ओवेन ने स्नैप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शमसुद्दीन के साथ एक विशेष बातचीत की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने हैदराबाद में अपने लगभग चार साल के कूटनीतिक कार्यकाल और ब्रिटेन तथा दोनों तेलुगु राज्यों के बीच मजबूत होते संबंधों पर प्रकाश डाला। गैरेथ विन ओवेन ने सितंबर 2022 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए ब्रिटिश उप उच्चायुक्त के रूप में पदभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने व्यापार, वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक सहयोग, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में ब्रिटेन और दोनों राज्यों के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाया। बातचीत के दौरान श्री ओवेन ने हैदराबाद में बिताए अपने समय को बेहद शानदार बताते हुए यहाँ के लोगों की गर्मजोशी, शहर की मेहमाननवाज़ी और स्वादिष्ट व्यंजनों की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने इस दौरान बने अपने पेशेवर संबंधों, व्यक्तिगत मित्रता और सुखद अनुभवों को याद किया।

मुलाकात में भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच लंबे समय से चले आ रहे व्यापार, नवाचार, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-प्रतिनिधियों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। श्री ओवेन से पहले एंड्रयू फ्लेमिंग ने 2017 से 2022 तक इस पद पर अपनी सेवाएं दी थीं।

स्नैप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शमसुद्दीन ने ब्रिटेन और इस क्षेत्र के बीच संबंधों को मजबूत करने में श्री ओवेन के योगदान की सराहना की। कार्यकाल पूरा कर रहे श्री ओवेन का यह दौर कूटनीतिक जुड़ाव और गहरी मित्रता के लिए याद किया जाएगा

घातक संक्रमण अमीबा से मासूम की मौत, लेक में तैरने के बाद हुई संक्रमित

अमीबा युक्त पानी नाक के रास्ते शरीर में जाने से फैलता है यह संक्रमण

इस बीमारी के शुरुआती लक्षण तेज सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी

लुइसियाना

अमेरिका के लुइसियाना में आठ साल की एक बच्ची की दुर्लभ और बेहद घातक संक्रमण नेगलेरिया फाउलेरी से मौत हो गई। माना जा रहा है कि बच्ची, लिलियन स्मार्ट, लुइसियाना के क्लेबोर्न पैरिश स्थित लेक क्लेबोर्न में तैरने के बाद अमीबा की चपेट में आ गई थी। इस घटना ने गर्म मीठे पानी के स्रोतों में पाए जाने वाले इस अत्यंत दुर्लभ, किंतु जानलेवा जीव के प्रति एक बार फिर गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक लिलियन स्मार्ट ने अपने आठवें जन्मदिन के ठीक एक दिन बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसे 15 अगस्त से रस्टन के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

स्वास्थ्य विभाग ने 19 अगस्त को राज्य में नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण के एक मामले की पुष्टि की थी, जिसके तुरंत बाद परिवार ने सोशल मीडिया के जरिए बच्ची की मृत्यु की जानकारी दी थी। परिवार ने बताया कि संक्रमण के कारण लिलियन के मस्तिष्क में गंभीर सूजन हो गई थी और डाक्टरों के अथक प्रयासों के बाद उसकी हालत बिगड़ती गई और उसे बचाया नहीं जा सका। उसके आठवें जन्मदिन के उपलक्ष्य में उसके समर्थन में एक धनसंग्रह कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था।

बता दें नेगलेरिया फाउलेरी एक सूक्ष्म अमीबा है जो आमतौर पर गर्म मीठे पानी में पाया जाता है, जैसे कि झीलें, तालाब और अन्य प्राकृतिक जलस्रोत। यह संक्रमण तब होता है जब अमीबा युक्त पानी गलती से नाक के रास्ते शरीर में चला जाता है। नाक से जुड़े मार्ग के जरिए यह सीधे मस्तिष्क तक पहुंचता है और वहां प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस नामक गंभीर और अक्सर घातक संक्रमण पैदा करता है। यह समझना अहम है कि यह संक्रमण दूषित पानी पीने से नहीं होता है और न ही यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। समुद्री पानी में इस अमीबा के पाए जाने की संभावना लगभग नगण्य होती है। इसके अलावा सही तरीके से रखरखाव और पर्याप्त क्लोरीन वाले स्विमिंग पूल में भी इस अमीबा के संक्रमण का खतरा बहुत कम होता है। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों में तेज सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी होती हैं। संक्रमण तेजी से गंभीर हो सकता है और गर्दन में अकड़न, दौरे, भ्रम, बेहोशी और अंततः कोमा जैसी स्थितियां पैदा कर सकता है।

हालांकि यह बीमारी अत्यंत दुर्लभ है, लेकिन एक बार संक्रमित होने पर इसकी मृत्यु दर असाधारण रूप से उच्च होती है, जिससे यह बेहद जानलेवा बन जाती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्म मीठे पानी में तैरते या गोताखोरी करते समय पानी को नाक में जाने से बचाने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतना जरुरी है। यदि ऐसे लक्षण सामने आते हैं, तो बिना किसी देरी के तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेना चाहिए, क्योंकि शुरुआती पहचान और उपचार ही जीवन बचाने का एकमात्र अवसर हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा, कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खडा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमडती रहेंगी अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 28 अगस्त 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा प्रातः 09:50 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 03:14 तक
योग : अतिगंड प्रातः 07:27 तक
करण : बव प्रातः 09:50 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रक्षाबंधन, पंचक चालू है ,श्रावण पूर्णिमा व्रत–पुण्य

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दूसगांव सरकारी स्कूल के छात्रों को रोटरी क्लब द्वारा बेंचों का वितरण, छात्रों में खुशी की लहर

निजामाबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। छात्रों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के संकल्प के साथ रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद द्वारा बुधवार को डिचपल्ली मंडल के दूसगांव गांव स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय (एमपीएसएस) में स्कूल बेंच वितरण कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

राखी के पावन पर्व के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में छोटे बच्चों को नई बेंचें प्रदान की गईं। अब तक जमीन पर बैठकर परेशानी झेल रहे छात्रों को बेंचें मिलने से उनके चेहरों पर खुशी खिल उठी। छात्रों ने कहा कि अब वे बेंचों पर बैठकर और भी उत्साह के साथ पढ़ाई करेंगे।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती भूमावती जी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डिचपल्ली मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ) श्री नरेश जी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी स्कूलों के विकास के लिए सरकार के साथ–साथ स्वयंसेवी संस्थाओं का आगे आना हर्ष की बात है। विशेष रूप से रोटरी क्लब ऑफ निजामाबाद पिछले कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में जो सराहनीय सेवाएं दे रहा है, गरीब छात्रों को बेंच, किताबें, पेयजल सुविधा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी पढ़ाई में मदद कर रहा है, इसके लिए उन्होंने रोटरी क्लब के सदस्यों को हृदय से धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डीसीईबी सचिव और कॉम्प्लेक्स हेडमास्टर श्री सीतय्या जी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है और यदि उन्हें सही प्रोत्साहन मिले तो छात्र अद्भुत कर सकते हैं। उन्होंने सहयोग प्रदान करने के लिए रोटरी क्लब को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री श्रीकांत झंवर जी ने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा समाज सेवा को प्राथमिकता देता है और विशेष रूप से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब छात्रों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर बच्चों को यह छोटा सा उपहार देकर बहुत खुशी हो रही है और भविष्य में और भी सेवा कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों के रूप में रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन बेजगम अशोक जी, दूसगांव ग्राम सरपंच श्रीमती और श्री सुवर्ण वेंकट जी, तूड़ चेयरमैन श्री साईलू जी ने भाग लेकर छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

विशेष आमंत्रितों के रूप में रोटरी क्लब के आईपीपी श्री श्याम अग्रवाल जी, एनआरएसटी के कोषाध्यक्ष श्री बस प्रकाश जी, रोटरी क्लब के सचिव श्री अंकित अग्रवाल जी, केयर कॉलेज के निदेशक श्री नाराला सुधाकर जी और रोटरी क्लब के बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए।

ग्रामीणों में श्री मुरली जी, श्रीमती सौजन्या जी, विद्यालय की शिक्षिकाएं श्रीमती स्वप्ना, सौम्या जी आदि उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम में केयर डिग्री कॉलेज, निजामाबाद ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के बाद छात्रों, ग्रामीणों और उपस्थित अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

मिठाई की कीमत पर विवाद, सड़क पर घसीटकर थाने ले जाने का पुलिसकर्मियों पर आरोप

जम्मीकुंटा में पुलिस की कथित ज्यादती का वीडियो वायरल, युवक ने दी आत्महत्या की चेतावनी

जिम्मीकुंटा (करीमनगर), 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिठाई की कीमत को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद जम्मीकुंटा में उस समय गंभीर रूप ले गया, जब एक युवक को पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर सड़क पर घसीटकर थाने ले जाने और मारपीट करने का वीडियो सामने आया। घटना के बाद युवक ने पुलिस कार्रवाई से आहत होकर आत्महत्या तक करने की चेतावनी दी। घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। यह मामला बुधवार, 26 अगस्त को जम्मीकुंटा में सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार, वीणवंका मंडल के हिम्मतनगर निवासी अंकारिक राजू जम्मीकुंटा आया था। पुलिस स्टेशन के समीप स्थित एक स्वीट हाउस में खाद्य पदार्थ खरीदते समय कीमत को लेकर उसकी दुकान संचालक से बहस हो गई। राजू ने आरोप लगाया कि उससे अन्य लोगों की तुलना में अधिक कीमत वसूली जा रही थी।

कहासुनी बढ़ने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, राजू ने दुकान बंद कराने के लिए शटर गिराने की कोशिश की। इसी दौरान दुकान संचालकों और राजू के बीच विवाद और बढ़ गया तथा पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों की कार्रवाई को लेकर सवाल उठे। सामने आए वीडियो में पुलिसकर्मियों द्वारा राजू को सड़क से खींचकर ले जाते हुए और थाने के पास उसके साथ मारपीट करते हुए दृश्य दिखाई देने की बात स्थानीय रिपोर्ट में कही गई है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद घटना ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि राजू को सड़क पर घसीटते हुए थाने ले जाया गया। इस दौरान उसे चोटें भी आईं। पुलिस कार्रवाई से कथित तौर पर आहत राजू ने बेहद भावुक होकर आत्महत्या की बात कही। रिपोर्ट के अनुसार, उसने रेलवे पटरी पर जाकर जान देने की चेतावनी तक दी। घटना की जानकारी फैलते ही स्थानीय लोग भी पुलिस की कार्रवाई के विरोध में सामने आए। राजू के समर्थन में लोगों ने तेलंगाना चौक पर विरोध जताया और कथित रूप से मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मामला बढ़ता देख सीआई रामकृष्ण मौके पर पहुंचे। उन्होंने राजू से बातचीत की और घटना को लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद राजू को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद स्थिति शांत हुई।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक चर्चा उस वीडियो को लेकर है, जिसमें पुलिस की कथित कार्रवाई दिखाई देने की बात कही जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस के व्यवहार को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। हालांकि, वीडियो में दिखाई देने वाले घटनाक्रम के पूरे संदर्भ और उससे पहले हुई झड़प की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।मामला अब सिर्फ मिठाई की कीमत को लेकर हुए विवाद तक सीमित नहीं रह गया है। पुलिस की कार्रवाई, युवक के साथ कथित मारपीट, उसे सड़क पर घसीटकर ले जाने और बाद में उसके आत्महत्या की चेतावनी देने से पुलिस के व्यवहार और कार्रवाई के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। फिलहाल उपलब्ध रिपोर्ट में पुलिस की ओर से घटना का विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। इसलिए राजू द्वारा लगाए गए आरोपों को आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए। निष्पक्ष जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि विवाद की शुरुआत कैसे हुई और पुलिस की कार्रवाई किन परिस्थितियों में की गई।

केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान, सेवा भावना को मिला जनसहयोग

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वॉटर टैंक के समीप गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं प्रमोद गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने स्वयं भोजन वितरण कर जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदना, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है। राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नदान सेवा समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रही है।

राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर भोजन पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। सेवा का यह अभियान समाज के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में भी अन्नदान सहित विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ जारी रखा जाएगा।

कार्यक्रम में राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी उपस्थित रहकर सेवा कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी का आयोजन सरस सलिल पत्रिका पर आज

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संसथान के तत्वावधान में प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम–347 का आयोजन शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026 को शाम 4 बजे से साधना आश्रम, बेग़म बाज़ार, हैदराबाद में संपन्न होगा। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए कवि गोविंद अक्षय ने बताया है कि इस माह की गोष्ठी का विशेष आकर्षण रहेगा श्री परेश नाथ के संपादन में रानी झाँसी बाई मार्ग, नयी दिल्ली से प्रकाशित होने वाली सरस सलिल (मन भावन अंदाज़ खरी आवाज़) पत्रिका के अंक : 805, अगस्त (प्रथम), 2026 के अंक में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकार मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया हैदराबाद मुख्यालय के सहायक महाप्रबंधक श्री विनय कुमार सिंह, श्री के. एल. श्रीनिवास, श्री नितिन चौहान आदि विशेष अतिथि होंगे।

कर्मचारी मांगों को लेकर महाधरना

पेद्दापल्ली, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष जेएसी एवं टीएनजीओ के तत्वावधान में कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर महाधरना आयोजित किया गया। धरने में पीआरसी तत्काल लागू करने, लंबित छह डीए जारी करने, सीपीएस समाप्त कर ओपीएस बहाल करने तथा स्वास्थ्य कार्ड योजना को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग उठाई गई।

प्रदर्शनकारियों ने कर्मचारियों, शिक्षकों एवं पेंशनभोगियों के लंबित बिलों का शीघ्र भुगतान करने की भी मांग की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के साथ ओडेला मंडल के पूर्व जेडपीटीसी गंता रामुलु यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इस संबंध में उपलब्ध मूल सामग्री में डॉ. चिरुमिल्ला राकेश कुमार की भागीदारी को लेकर परस्पर विरोधी उल्लेख है। इसलिए समाचार में उनकी उपस्थिति संबंधी दावा स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है।

छात्रवृत्ति व फीस प्रतिपूर्ति की राशि जारी करने की मांग

पेद्दापल्ली, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय में भाजपा एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के तत्वावधान में पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति की लंबित राशि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।तेलंगाना भाजपा के आह्वान पर जिला भाजपा अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी के निर्देशानुसार बीजेवाईएम नेता रामगिरी अखिल के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में जिला भाजपा सचिव शिवंगारी सतीश कुमार सहित नेताओं ने सरकार से छात्रों की लंबित फीस प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बकाया राशि के कारण छात्रों और अभिभावकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा सरकार को छात्रों के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे का तत्काल समाधान करना चाहिए।प्रदर्शन के दौरान बीजेवाईएम नेताओं ने सरकार का पुतला जलाने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जारी रखा और मांगें पूरी होने तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। कार्यक्रम में राजम महंत कृष्णा, रेंडला वेणु, उशन अन्वेश, भूषणवेना वेणु, गुडला सतीश, मधुकरण, मंटेना कृष्णा, कासनगोट्टू विजय, शिवसाई, वीरेश गौड़, महेश, गणेश, स्नेहित, पोगुला राजू सहित भाजपा एवं बीजेवाईएम के नेता, कार्यकर्ता, छात्र और युवा शामिल हुए।

कर्मचारियों की समस्याएं हल नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज होगा : टीजीईजेएसी

पेद्दापल्ली, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कर्मचारी, शिक्षक, पेंशनर एवं मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर टीजीईजेएसी के आह्वान पर पेद्दापल्ली जिला केंद्र स्थित आईडीओसी गेट पर आयोजित महाधरना सफल रहा। जिलेभर से बड़ी संख्या में कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनरों और मजदूरों ने भाग लेकर एकजुटता दिखाई। लोक कलाकारों के आंदोलन गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में जोश भर दिया।टीजीईजेएसी चेयरमैन बोंकुरी शंकर ने सरकार से कर्मचारियों की जायज मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने पीआरसी लागू करने, लंबित छह डीए जारी करने, सीपीएस समाप्त कर ओपीएस बहाल करने, लंबित बिलों का भुगतान, स्वास्थ्य कार्ड योजना को प्रभावी बनाने, शिक्षकों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति तथा जीओ–25 में संशोधन और जीओ–190 लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि कर्मचारियों के अधिकारों के लिए है।कन्वीनर थुमू रविंदर पटेल ने कहा कि कर्मचारियों की एकता ही आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने पेद्दापल्ली जिले के कर्मचारियों की एकजुट भागीदारी को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने 1 सितंबर को प्रस्तावित पेंशन विद्रोह दिवस सहित आगामी आंदोलनों को सफल बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में टीएनजीओ के जिला सचिव ऐरेड्डी संदीप रेड्डी, राज्य एवं जिला स्तर के विभिन्न कर्मचारी, शिक्षक, पेंशनर एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कर्मचारियों की एकता ही जीत का रास्ता है और जब तक हक नहीं मिलते, संघर्ष जारी रहेगा जैसे नारों के साथ महाधरना संपन्न हुआ।

भवानी कॉलोनी स्थित श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में गुरुवार के अवसर पर विशेष पूजा–अर्चना का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गणेश जोशी महाराज के सान्निध्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा में भाग लिया। इस अवसर पर साईं भक्तों ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ ॐ साईं राम का जाप किया। मंदिर परिसर साईं बाबा के जयकारों से भक्तिमय हो उठा।

शुक्रवार, 28 अगस्त को रक्षाबंधन, श्रावणी पूर्णिमा यानी सावन महीने की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इसी दिन आंशिक चंद्र ग्रहण भी लगेगा। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए देश में इस ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं है। रक्षाबंधन से जुड़े धर्म-कर्म पूरे दिन बिना किसी बाधा के किए जा सकेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 28 अगस्त को श्रावणी पूर्णिमा (रक्षाबंधन) पर खंडग्रास चंद्र ग्रहण लगेगा। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण 3 मार्च को लगा था। चंद्रग्रहण के साथ सावन का महीना भी खत्म होगा। यह चंद्र ग्रहण 28 अगस्त को लगेगा। जिसमें चांद लालिमा के साथ दिखाई देगा। खास बात यह है कि यह ग्रहण रक्षाबंधन और श्रावण पूर्णिमा के दिन पड़ेगा। ग्रहण के दौरान चंद्रमा कुंभ राशि में स्थित रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, लेकिन भारत में यह नजर नहीं आएगा, इसलिए सूतक काल मान्य नहीं होगा। यह ग्रहण मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि लेकिन राहत की बात यह है कि चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे। इसलिए इनका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा और श्रद्धालु रक्षाबंधन पर्व पूरे धार्मिक उत्साह और विधि-विधान से मना सकेंगे। धर्मशास्त्रों के अनुसार ग्रहण का सूतक तभी माना जाता है, जब ग्रहण संबंधित क्षेत्र में दृश्य हो। चूंकि दोनों ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे, इसलिए मंदिरों के पट बंद करने, पूजा-अर्चना रोकने या धार्मिक अनुष्ठानों में किसी प्रकार का परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं होगी। चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और उसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है। आंशिक चंद्र ग्रहण में पृथ्वी की छाया चंद्रमा के केवल एक हिस्से को ढकती है। इसी कारण चंद्रमा का कुछ भाग सामान्य रूप से दिखाई देता है, जबकि बाकी हिस्से पर अंधेरा नजर आता है। पूर्ण चंद्र ग्रहण में इसके विपरीत चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की गहरी छाया में आ जाता है।

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 को लगेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। लेकिन भारत में यह नजर नहीं आएगा। इसलिए यहां इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। यह ग्रहण मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा। आखिरी चंद्र ग्रहण 28 अगस्त की सुबह 8:04 मिनट से शुरू होगा और सुबह 11:22 मिनट तक चलेगा। यह खंडग्रास यानी आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। पंचांग के अनुसार यह ग्रहण श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर लगेगा, जिस दिन रक्षाबंधन का पर्व भी मनाया जाएगा। यह ग्रहण यूरोप, पश्चिमी एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर, अंटार्कटिका के क्षेत्रों में दिखाई देगा। ग्रहण की खासियत यह होगी कि पृथ्वी की गहरी छाया चंद्रमा के लगभग 93 प्रतिशत हिस्सा पर पड़ेगी। इसी कारण यह सामान्य आंशिक ग्रहण की तुलना में काफी गहरा दिखाई देगा और दुनिया के कई हिस्सों में चंद्रमा का बड़ा भाग लाल-नारंगी रंग का नजर आ सकता है। भारत में ग्रहण के समय चंद्रमा क्षितिज के नीचे होगा। इसलिए देश में इस ग्रहण को प्रत्यक्ष रूप से देख पाना संभव नहीं होगा।

28 अगस्त का यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसकी दृश्यता मुख्य रूप से उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के कई हिस्सों में रहेगी। भारत में ग्रहण नजर नहीं आने के कारण यहां इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

बिना किसी बाधा के मनाएं रक्षाबंधन

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भारत में अदृश्य ग्रहण का धार्मिक कर्मकांडों पर प्रभाव नहीं माना जाता। इसलिए रक्षाबंधन पर राखी बांधने, श्रावणी उपाकर्म, यज्ञोपवीत संस्कार और पूर्णिमा पूजन भी बिना किसी बाधा के संपन्न होंगे।

शुभ-अशुभ प्रभाव

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। व्यापार में तेजी आएगी। खेती और इससे जुड़े कामों में नुकसान होने के योग बन रहे हैं। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ग्रहण के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए।

हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

-नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन
अजमेर

काजड़ा : बंसल गोत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र, जहां विराजमान हैं माँ रेजड़ी केजड़ी

राजस्थान के झुंझुनू जिले से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित काजड़ा गांव अपनी प्राचीन परंपराओं, गौरवशाली इतिहास और धार्मिक आस्था के लिए प्रसिद्ध है। बंसल गोत्र के लिए तीर्थस्थल से कम नहीं है मां रेजड़ी केजड़ी का पावन धाम

हमारे पुरातन एवं गौरवशाली इतिहास को देखें तो आधुनिकता का यह दौर हमें वह सब कुछ नहीं दे सकता, जो हमारी प्राचीन संस्कृति और परंपराओं ने हमें दिया है। जिस दिव्य शक्ति ने भारत और भारतीयता की रक्षा की है तथा सनातन संस्कृति को आपस में एक धागे में पिरोकर रखा है, वही हमारी संस्कृति है। इसी गौरवशाली परंपरा और आस्था को अपने भीतर समेटे राजस्थान के झुंझुनू जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित काजड़ा गांव आज भी श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। अग्रवाल समाज के 18 गोत्रों में से एक बंसल गोत्र के लिए यह स्थान किसी तीर्थस्थल से कम नहीं है। यहां विराजमान मां रेजड़ी केजड़ी की महिमा भी अपरंपार मानी जाती है।

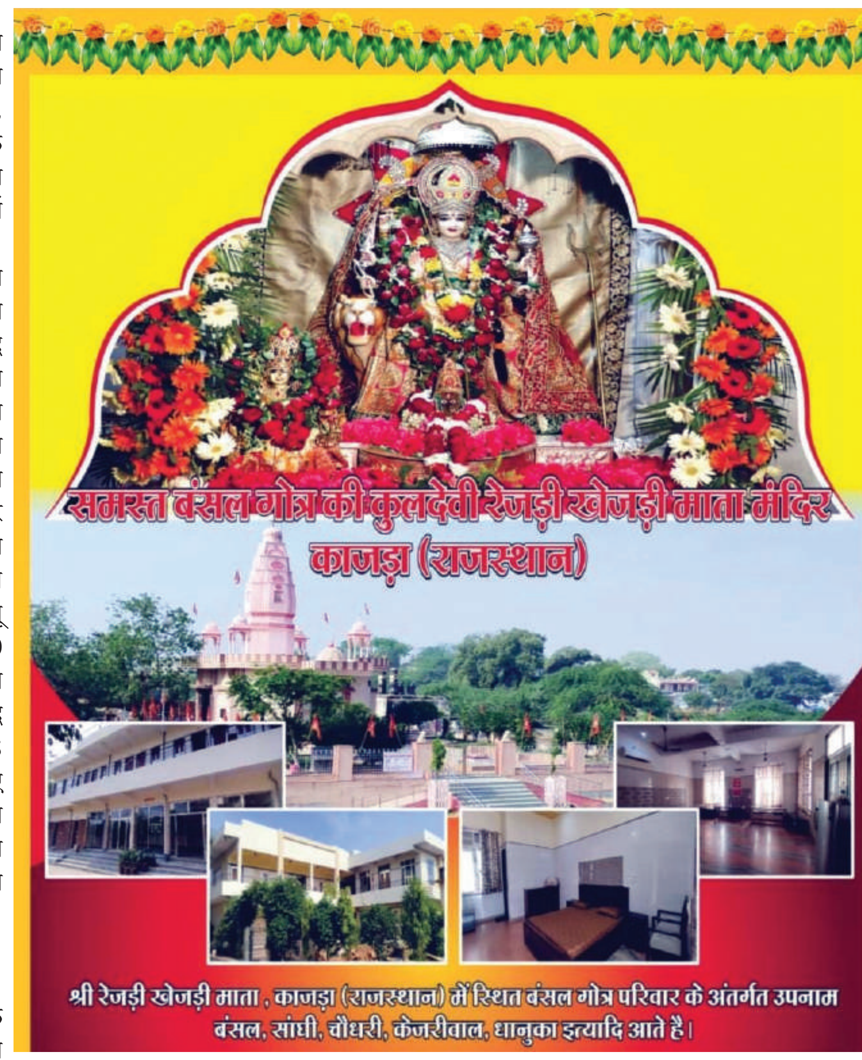

अकबर के फरमान से बचाने मां भगवती स्वयं आईं

किवदंती के अनुसार, जब दिल्ली के शहंशाह अकबर ने एक अग्रवंशी को मौत का फरमान सुना दिया, तब वह अग्रवंशी अपनी जान बचाने के लिए जगत जननी मां भगवती की उपासना करने लगा। कहा जाता है कि जगत का पालन करने वाली साक्षात मां अपने उस भक्त को बैलगाड़ी में बिठाकर अपने साथ ले गईं और काजड़ा के पास पहुंचकर महामाया अंतर्धान हो गईं। यह घटना विक्रम संवत 1613 की बताई जाती है।

जहां मां ने उस अग्रवंशी को छोड़ा, वहां एक मंड की स्थापना की गई। कहा जाता है कि मां ने उस भक्त से कहा कि वह उसके कुल की रक्षा करेंगी और बंसल गोत्र के लोगों पर जब भी कोई विपत्ति आएगी, मां उनकी रक्षा करेंगी। हालांकि, उस समय मुगल तानाशाही से सभी लोग व्यथित थे, जिसके कारण उन्होंने यह स्थान त्याग दिया।

प्राचीन इतिहास और सुंदर बसावट की पहचान

काजड़ा गांव का इतिहास बहुत विस्तृत है। यह गांव बेहद सुंदर और व्यवस्थित बसावट के लिए भी जाना जाता है। यहां पंक्तिबद्ध बने मकान, चौड़े और साफ-सुथरे रास्ते, जगह-जगह बने लंबे-चौड़े मैदान, बड़ी-बड़ी हवेलियां, सुंदर बाग और शांत जीवनशैली गांव की विशेषताओं में शामिल हैं।

वर्तमान में यहां करीब 400 परिवार आबाद हैं। इनमें करीब 150 ब्राह्मण, 8 महाजन, 20 राजपूत, 15 से 20 कुम्हार तथा करीब 100 से 150 हरिजन परिवार बताए जाते हैं। ब्राह्मण परिवार सभी गौड़ हैं। राजपूत परिवार शेखावत तथा मुल्कपुरिया हैं। महाजन अग्रवाल हैं। दो परिवारों को छोड़कर लगभग सभी परिवार राज्य में व्यापार एवं उद्योग से जुड़े हुए हैं।

13वीं शताब्दी से अस्तित्व में होने की जनश्रुति

जनश्रुति के अनुसार, विक्रम संवत 1613 में इस गांव को नए सिरे से दोबारा बसाया गया। हालांकि, यह भी कहा जाता है कि गांव 13वीं शताब्दी से ही अपना अस्तित्व बनाए हुए है। उस समय यहां जाट और ब्राह्मण परिवार आबाद थे।

लंबे समय तक साथ-साथ रहने के बाद एक बार किसी बात को लेकर जाटों ने यहां के ब्राह्मणों को आग लगाकर जिंदा जला दिया। तब ब्राह्मणों ने जाटों को श्राप दिया कि ऐसा करके यहां रहने पर तुम लोगों का भी वंश नष्ट हो जाएगा। इस श्राप से भयभीत होकर कुछ जाट गांव छोड़कर चले गए, जबकि कुछ का वंश समाप्त हो गया।

गांव के ब्राह्मण परिवारों को जलाए जाने की घटना के समय एक परिवार की पुत्रवधू हरियाणा के उमरा सुल्तानपुरा नामक गांव में अपने मायके गई हुई थी। वह गर्भवती थी और उसने मायके में ही पुत्र रत्न को जन्म दिया। उसका नाम चक्रपाणि रखा गया। इन्हीं पंडित चक्रपाणि शर्मा ने बाद में इस स्थान पर आकर काजड़ा गांव बसाया।

बताया जाता है कि इस गांव में दोबारा बसने के बाद आज तक कोई जाट परिवार यहां आकर नहीं बसा।

केजड़ी से काजड़ा नाम पड़ने की मान्यता

कहा जाता है कि पहले यह गांव केजड़ी के नाम से विख्यात था, लेकिन कालचक्र के कारण यह नष्ट हो गया। बाद में रेजड़ी केजड़ी माता के कारण यह स्थान काजड़ा के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज मां रेजड़ी केजड़ी की आस्था ही इस गांव की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है।

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है प्राकट्य उत्सव

रेजड़ी केजड़ी माता का प्राकट्य उत्सव चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस अवसर पर विशेष आयोजन होते हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है और दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

रेजड़ी केजड़ी माता को स्थानीय ग्रामीण मां शीतला का रूप मानते हैं और उन्हें बासी भोजन अर्पित करते हैं। यह परंपरा आज भी श्रद्धा और आस्था के साथ निभाई जाती है।

सेठ दुलीचंद चैरिटेबल ट्रस्ट कर रहा मंदिर का संचालन

वर्ष 2015 के बाद सेठ दुलीचंद चैरिटेबल ट्रस्ट, चेन्नई द्वारा मंदिर का संचालन किया जा रहा है। मंदिर के संचालन और धार्मिक गतिविधियों में स्थानीय लोगों की शत-प्रतिशत सहभागिता रहती है। ट्रस्ट की ओर से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वातानुकूलित धर्मशाला का भी निर्माण करवाया गया है।

काजड़ा गांव का इतिहास, मां रेजड़ी केजड़ी के प्रति अटूट आस्था, बंसल गोत्र से जुड़ी मान्यताएं और यहां की प्राचीन परंपराएं आज भी इस स्थान को विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान प्रदान करती हैं। आधुनिकता के दौर में भी काजड़ा अपनी पुरातन परंपराओं, धार्मिक विश्वासों और गौरवशाली विरासत को संजोए हुए है।

-अशोक कुमार बंसल
हैदराबाद

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था। व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते हैं।

गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है

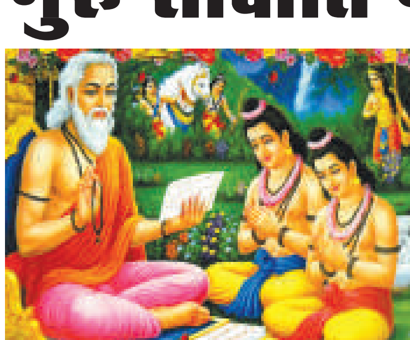

हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के संबंध को अत्यंत पावन और गौरवपूर्ण माना गया है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है। इसलिए हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

गुरु वह ऊर्जावान और ज्ञान का पुंज है जो हमारे भीतर आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करके सत्य से हमारा साक्षात्कार कराता है। गुरु के सानिध्य से जीवन की दिशा और दशा, दोनों बदल जाती है। उदाहरणस्वरूप अपनी विलक्षण प्रतिभा और ओजस्वी वाणी के द्वारा भारत की संस्कृति का परचम संपूर्ण विश्व में लहराने वाले स्वामी विवेकानंद को जब गुरु रामकृष्ण परमहंस का वरदहस्त प्राप्त हुआ तब वह नरेंद्रनाथ से स्वामी विवेकानंद के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी प्रकार गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद ने अजरुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के रूप में प्रतिष्ठित किया।1वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का निरंतर हास होता जा रहा है। गुरु शिष्य के पवित्र संबंधों पर भी इसका प्रभाव दिखाई पड रहा है। समाज में आवश्यकता है, ऐसे गुरुओं की जो दया, क्षमा, सदाचार इत्यादि मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए धैर्य, विवेक और त्याग आदि सद्गुणों के माध्यम से शिष्य को अंधकार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले चलें। इस प्रकार मानव मन में व्याप्त विष रूपी बुराई को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान होता है, परंतु सद्गुरु बडे भाग्य से मिलता है। सद्गुरु की तलाश शिष्य को ही नहींहोती, बल्कि गुरु भी अपने ज्ञान की धरोहर को सुरक्षित हाथों में सौंप कर परमानंद की अनुभूति करता है। शिष्य के समर्पण और श्रद्धा भाव को देखकर उसका अंतर्मन आश्वस्त हो जाता है।

वह शिष्य की कमियों को धैर्यपूर्वक सुधारते हुए उसे दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। सौभाग्यवश ऐसे स्वयंसिद्ध गुरु का संरक्षण यदि किसी को भी प्राप्त हो जाए, तो उसके जीवन में संकट रूपी बादलों के छाने के बावजूद उसका मन कभी विचलित नहींहोता। कल्याण के मार्ग में प्रवृत्त करने वाले ऐसे गुरुजनों को शत-शत नमन।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास

वास्तु जिंदगी पर कैसे प्रभाव डालता है। इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

- पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है। यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें।
- शयनकक्ष में बैड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें।
- घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैऋत्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैऋत्य कोण में लगाएं।
- घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।
- स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें। यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।

भाई-बहन के प्यार का बंधन

सावन के रिमझिम मौसम के साथ ही भारत में त्योहारों की रंग-बिरंगी श्रृंखला आरंभ हो जाती है। यह त्योहार रिश्तों की खूबसूरती को बनाए रखने का बहाना होते हैं। यूं तो हर रिश्ते की अपनी एक महकती पहचान होती है। भाई-बहन का रिश्ता एक भावभीना अहसास जगाता है। रक्षाबंधन का पर्व इसी रेशमी रिश्ते की पवित्रता का प्रतीक है। इस बार का रक्षाबंधन पर्व कई मायनों में खास रहेगा। 28 अगस्त को आने वाले रक्षाबंधन पर्व पर इस बार भद्रा नहीं होगी।

28 अगस्त को चंद्र ग्रहण पर क्या बदलेंगे स्नान-दान के नियम:

सावन पूर्णिमा पर साल का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण लगेगा। पूर्णिमा तिथि पर पवित्र नदी में स्नान और कुछ वस्तुओं का दान अत्यंत शुभ माना गया है। हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण के समय शुभ कार्यों की मनाही होती है, जिसके कारण पूर्णिमा पर स्नान-दान के नियम बदल जाते हैं। लेकिन सावन पूर्णिमा पर लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। देश में ग्रहण की दृश्यता नहीं होने के कारण इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। जिसके कारण बिना किसी बाधा के पूर्णिमा तिथि पर धार्मिक कार्य या अनुष्ठान किए जा सकेंगे।

भारत में कितने बजे से चंद्र ग्रहण शुरू होगा:

भारत में चंद्र ग्रहण सुबह 06:53 बजे प्रारंभ होगा और आंशिक चंद्र ग्रहण की शुरूआत सुबह 08:03 बजे होगी। ग्रहण अपने चरम पर सुबह 09:43 बजे रहेगा। ग्रहण का समापन सुबह 11:21 बजे होगा। पूरी तरह से ग्रहण का प्रभाव दोपहर 12:31 बजे समाप्त होगा।

इन सूत्रों का भी हो बंधन

28 अगस्त- रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर कुछ खास बातों को भी गांठ बांध लीजिए, क्योंकि इनकी शास्त्रोक्त मान्यता तो हैं लेकिन हम सब के लिए अज्ञात हैं।

यदि भाई विदेश में हो

ऐसी स्थिति में बहन अपने इष्टदेव को राखी बांध सकती है। ऐसा करके भी वह भाई को राखी बांधने का फल प्राप्त कर सकती हैं।

यदि भाई न हो

ऐसी बहनें चिंता न करें, क्योंकि सर्वोच्च ब्रह्मांड के भ्राता भगवान नारायण विष्णु है। इन्हें भाई मानकर राखी बांधने से बहन के ऊपर आए हर संकट से श्रीहरि रक्षा करते हैं।

राखी को कब तक सहेजे

भाई को बहन जब राखी बांधती है, तो एक वर्ष तक रक्षा की कामना करते हुए रक्षासूत्र को बांधे रखना चाहिए। यदि यह संभव न हो, तो कम से कम जन्माष्टमी तक तो अवश्य ही रखना चाहिए एवं धागे को कभी अपने हाथ से तोड़ना नहीं चाहिए।

तिलक की परंपरा

इस पर्व पर बहन अपने भाई को तिलक लगाकर राखी बांधती है। तिलक लगाना विजय और सफलता का कारक माना जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि बहन के शुभ हाथों तिलक लगवाने से भाई को उत्तरोत्तर उन्नति प्राप्त होती है। साथ ही चारों दिशाओं से लक्ष्मी प्राप्ति के साथ दीर्घायु, उच्च शिक्षा, यश, बल एवं पराक्रम में वृद्धि होती है।

भेंट-उपहार का अभिप्राय

रक्षाबंधन पर बहन को उपहार देने की परंपरा बहुत पुरानी है। राजा बलि को राखी बांधकर ही लक्ष्मी ने बलि के द्वारपाल साक्षात नारायण को पुनः प्राप्त किया था, तो पं. मदनमोहन मालवीय ने भी काशी नरेश को राखी बांधकर दक्षिणा में जमीन मांगी थी, जिस पर आज काशी हिंदू विवि बना हुआ है।

भैया मेरे, राखी के बंधन को निभाना

भैया मेरे, राखी के बंधन को निभाना
भैया मेरे, छोटी बहन को न भुलाना
देखो ये नाता निभाना, निभाना
भैया मेरे...

ये दिन ये त्योहार खुशी का, पावन जैसे नीर नदी का
भाई के उजले माथे पे, बहन लगाए मंगल टीका
झूमे ये सावन सुहाना, सुहाना
भैया मेरे...

बाँध के हमने रेशम डोरी, तुम से वो उम्मीद है जोड़ी
नाज़ुक है जो दाँत (?) के जैसे, पर जीवन भर जाए न तोड़ी
जाने ये सारा ज़माना, ज़माना
भैया मेरे...

शायद वो सावन भी आए, जो बहना का रंग न लाए
बहन पराए देश बसी हो, अगर वो तुम तक पहुँच न पाएयाद
का दीपक जलाना, जलाना
भैया मेरे...

भाई की राशि अनुसार चुनें राखी का रंग

मेष – लाल, केसरिया व पीली राखी बांधना शुभ रहेगा। केसर का तिलक लगाएं तथा पीले रंग का वस्त्र या रूमाल उपहार करें।

वृषभ – इस राशि वाले भाईयों को नीले रंग की अथवा चांदी की राखी बांधे। माथे पर रोली का टीका लगाना तथा सफेद रूमाल भेंट करना शुभ रहेगा।

मिथुन – हरे रंग तथा चंदन से निर्मित राखी सौभाग्यशाली रहेगी। हल्दी का तिलक लगाना और गहरे हरे रंग का रूमाल भेंट करना गुड लक लाएगा।

कर्क – सफेद रेशमी धागे व मोती से निर्मित राखी बांधे। चंदन का तिलक लगाना अच्छा रहेगा तथा क्रीम कलर या हल्के पीले रंग का रूमाल भेंट दें।

सिंह – केसरिया, लाल व गुलाबी रंग की राखी शुभ रहेगी। सिर पर हल्दी मिश्रित रोली के तिलक लगाएं। गुलाबी या हरे रंग का रूमाल भाई को भेंट करें।

कन्या – सफेद रेशमी या हरे रंग की राखी बांधें। हल्दी व चंदन के मिश्रण से ललाट पर तिलक लगाएं। सफेद या ग्रे रंग का रूमाल भेंट करें।

तुला – जामुनी या फीरोजी रंग की राखी शुभ रहेगी। केसर का तिलक कर सफेद रंग का रूमाल उपहार में दें।

वृश्चिक – लाल रंग तथा मोती युक्त राखी बांधें। रोली का तिलक लगाना एवं क्रीम कलर का रूमाल उपहार करना शुभ रहेगा।

धनु – पीले रेशमी रंग तथा चंदन की राखी बांधे। हल्दी व कुमकुम का तिलक करें। रूमाल सुर्ख लाल रंग का भेंट करें।

मकर – गहरे रंगों की राखी शुभ रहेगी। भाई को केसर का तिलक लगाएं तथा सफेद रंग का रुमाल भेंट दें।

कुंभ – रुद्राक्ष से निर्मित राखी सौभाग्यशाली रहेगी। हल्दी का तिलक लगाएं व आसमानी नीला या फीरोजी रंग का रूमाल भेंट दें।

मीन – पीले या सफेद रंग की राखी बांधें। हल्दी का तिलक लगाकर सफेद रूमाल भेंट करना शुभ होगा।

भाई और बहन का रिश्ता : क्या कहता है मनोविज्ञान

यह रिश्ता जीवन के विविध उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए भी एक गहरे, बहुत गहरे अहसास के साथ हमेशा ताजातरीन और जीवंत बना रहता है। मन के किसी कच्चे कोने में बचपन से लेकर युवा होने तक की, स्कूल से लेकर बहन के बिदा होने तक की और एक-दूजे से लड़ने से लेकर एक-दूजे के लिए लड़ने तक की असंख्य स्मृतियाँ परत-दर-परत रखी होती है। बस, भाई-बहन के फुरसत में मिलने भर की देर है, यादों के शीतल छींटे पड़ते ही अतीत के केसरिया पन्नों से चंदन-बयार उठने लगती है। एक ऐसी सौंधी-सुगंधित सुवास जो मन के साथ-साथ पोर-पोर महका देती है।

सुहाना बचपन : सहज मनोविज्ञान

भाई का नन्हा-सा दिल पहली बार जब छोटी-सी गुलाबी-गुलाबी बहन को देखता है तब अनजानी, अजीब-सी अनुभूतियों से भर उठता है। थोड़ी-सी जिम्मेदारी, थोड़ी-सी चिंता, थोड़ा-सा प्यार, थोड़ी-सी खुशी, थोड़ी-सी जलन, थोड़ा-सा अधिकार ऐसी ही मिलीजुली भावनाओं के साथ भाई-बहन का बचपन गुलजार होता है। मनोविज्ञान कहता है, अक्सर बड़े भाई-बहन अपने नवागत भाई या बहन को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। वह मन ही मन खुद को उपेक्षित और अवांछित भी समझ सकते हैं। यहां परिवार और परवरिश दोनों की अहम भूमिका होती है। घर के बड़े हंसी-मजाक में भी कभी बच्चे को यह अहसास ना कराएं कि नए बच्चे के आगमन से उसकी अहमियत कम हो जाएगी। इस उम्र में बैठा उनका यह डर ग्रंथि बनकर रिश्तों की डोर कमजोर कर सकता है।

भाई और बहन के बीच स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद रखने की जिम्मेदारी माता-पिता की होती है। खासकर भाई अगर बड़ा है तो उसे नई बहन के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए शिक्षा दें कि यह नन्ही जान उसके साथ खेलने और पढ़ने के लिए लाई गई है। उसके अकेलेपन को दूर करने के लिए उसे भेजा गया है। जैसे-जैसे वह बड़ी होगी उसकी खुशियों का सबब बनेगी। अगर बहन बड़ी है तो उसे यह अहसास दिलाएं कि छोटा भाई आने से उसको मिलने वाले प्यार में कमी नहीं होगी ना व्यवहार में बदलाव आएगा। लड़कियां यूं भी मानसिक रूप से इस मामले में मजबूत होती है उन्हें बस इतना भर बताया जाना चाहिए कि इस छोटे प्राणी को अभी ज्यादा देखभाल की जरूरत है। भाई-बहन के रिश्ते के मनोविज्ञान का बस इतना ही सच है कि उन्हें स्वस्थ वातावरण में बिना किसी भेदभाव के खिलने-खेलने-पनपने का अवसर दीजिए। प्यार की सौगात से तो ईश्वर ने स्वयं उन्हें नवाजा है आप उन्हें उस प्यार को महकाने की खुशनुमा भावनात्मक बगिया दीजिए।

नटखट बचपन : नन्ही शैतानियां

याद कीजिए अपने बचपन की शरारतें। क्या भाई-बहन के बिना वे इतनी मोहक और मासूम हो सकती थी? नहीं ना? ठीक इसी तरह आज के बचपन को भी खुलकर जीने दीजिए। बचपन की मयूरपंखी स्मृतियां उनके भविष्य की भी मुस्कान बने इसलिए बहुत जरूरी है कि बड़ा भाई अपनी छुटकी बहन के उल्टे-सीधे नाम रखें, बहुत जरूरी है कि दोनों साथ-साथ उछले-कूदे, गिरे-पड़े, धमाधम धिंगामुश्ती करें। जरूरी है कि पेड़ पर चढ़े और मिट्टी में सने, जरूरी है कि एक दूसरे के खिलौनों को तोड़े-छुपाए। सोचिए अगर आपने यह सब उन्हें नहीं करने दिया तो कल बड़े होकर वे क्या याद करेंगे? यह कि मेरा बस्ता तुम्हारे बस्ते से ज्यादा भारी था, या यह कि मैंने तुमसे ज्यादा कोचिंग ली, या यह कि कंप्यूटर का माउस तुमने तोड़ा था और मार मुझे पड़ी थी। इन यादों में बचपन तो होगा लेकिन टूटते-बिखरते अनारों से ठहाके नहीं होंगे, बेसाख्ता फूट पड़ती हंसी के फव्वारे नहीं होंगे, मीठी चुटकियां नहीं होगी, चटपटी सुर्खियां नहीं होंगी। इन बातों में वह बचपन होगा जो नटखट लम्हों और भोली नादानियों से जुदा होगा।

रक्षाबंधन, जानिए किस मुहूर्त में बंधवाएं राखी

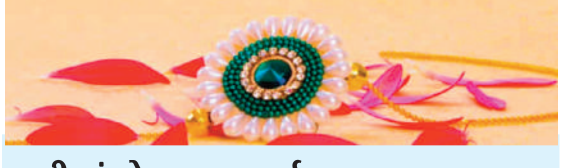

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

28 अगस्त को राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 05 बजकर 57 मिनट से सुबह 09 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। हालांकि इस दिन भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा। इस वजह से राहुकाल का विचार करके पूरे दिन राखी बांधी जा सकेगी।

सामान्यतः उतरी भारत जिसमें पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदि में प्रातः काल में ही राखी बांधने का शुभ कार्य किया जाता है। परम्परा वश अगर किसी व्यक्ति को परिस्थितिवश भद्रा-काल में ही रक्षा बंधन का कार्य करना हों, तो भद्रा मुख को छोड्कर भद्रा-पुच्छ काल में रक्षा - बंधन का कार्य करना शुभ रहता है। शास्त्रों के अनुसार में भद्रा के पुच्छ काल में कार्य करने से कार्यसिद्धि और विजय प्राप्त होती है। परन्तु भद्रा के पुच्छ काल समय का प्रयोग शुभ कार्यों के के लिये विशेष परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए।

धागे से जुडे अन्य संस्कार

हिन्दू धर्म में प्रत्येक पूजा कार्य में हाथ में कलावा (धागा) बांधने का विधान है। यह धागा व्यक्ति के उपनयन संस्कार से लेकर उसके अन्तिम संस्कार तक सभी संस्करों में बांधा जाता है। राखी का धागा भावनात्मक एकता का प्रतीक है। स्नेह व विश्वास की डोर है। धागे से संपादित होने वाले संस्कारों में उपनयन संस्कार, विवाह और रक्षा बंधन प्रमुख है। पुरातन काल से वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा है। बरगद के वृक्ष को स्त्रियां धागा लपेटकर रोली, अक्षत, चंदन, धूप और दीप दिखाकर पूजा कर अपने पति के दीघार्यु होने की कामना करती है। आंवले के पेड़ पर धागा लपेटने के पीछे मान्यता है कि इससे उनका परिवार धन धान्य से परिपूर्ण होगा। वह भाइयों को इतनी शक्ति देता है कि वह अपनी बहन की रक्षा करने में समर्थ हो सके। श्रवण का प्रतीक राखी का यह त्यौहार धीरे-धीरे राजस्थान के अलावा अन्य कई प्रदेशों में भी प्रचलित हुआ और सोन, सोना अथवा सरमन नाम से जाना गया।

बहन के प्रति भाईयों के दायित्वों का बोध कराने का पर्व

वेद शास्त्रों के अनुसार रक्षिका को आज के आधुनिक समय में राखी के नाम से जाना जाता है। रक्षा सूत्र को सामान्य बोलचाल की भाषा में राखी कहा जाता है। इसका अर्थ रक्षा करना, रक्षा को तत्पर रहना या रक्षा करने का वचन देने से है। श्रावण मास की पूर्णिमा का महत्व इस बात से और बढ़ जाता है कि इस दिन पाप पर पुण्य, कुकर्म पर सत्कर्म और कष्टों के उपर सज्जनों का विजय हासिल करने के प्रयासों का आरंभ हो जाता है। जो व्यक्ति अपने शत्रुओं या प्रतियोगियों को परास्त करना चाहता है उसे इस दिन वरूण देव की पूजा करनी चाहिए। दक्षिण भारत में इस दिन न केवल हिन्दू वरन् मुसलमान, सिक्ख और ईसाई सभी समुद्र तट पर नारियल और पुष्प चढ़ाना शुभ समझा जाता है नारियल को भगवान शिव का रुप माना गया है, नारियल में तीन आंखे होती है। तथा भगवान शिव की भी तीन आंखे है।

तो, इस राखी पर क्या देंगे उपहार ...!

राखी के पर्व का इंतजार हर बहन को महीनों पहले से ही होने लगता है। भई हो भी क्यों नहीं, ...!!! इस दिन बहनों को भाईयों से अपनी हर इच्छा पूरी करवाने और तोहफे पाने का मौका जो मिलता है। अगर आपने अब तक यह तय नहीं किया है कि आखिर प्यारी बहना को क्या तोहफा देना है, तो लिजिए हम आपकी मदद कर देते हैं। नीचे दिए जा रहे विकल्प आपकी यह दुविधा को दूर कर सकते हैं। लड़कियों और महिलाओं के लिए यूं भी कई तरह के विकल्प मौजूद होते हैं, जो आपकी गिफ्ट देने के विकल्प की परेशान को दूर कर देते हैं।

नन्ही परीः अगर बहन छोटी-सी परी हो तो उसे और भी ब्यूटीफुल एंजिल बनाने के लिए बाजार में उपलब्ध हैं, कई तरह के कलरफुल क्लप्सि और हेअरबैंड। साथ ही क्यूट से नन्हें फुटवेअर उसे लिटिल एंजिल बना देंगे। भाई बहन अगर छोटे हों, तो माता पिता इस पर्व को मनाना उन्हें सिखाते हैं। ऐसे में आप कुछ ऐसी चीजें दोनों बच्चों को दे सकते हैं,जिससे उनका उत्साह दुगुना हो जाए और वे इस पर्व को एंजॉए करे। इसके अलावा आप चाहें तो भाई-बहन के साथ में लिए गए फोटो का कोलाज भी बनवा सकते हैं, जो सालों तक इस बचपन की राखी की याद दिलाऐंगे।

स्कूल गोइंगः अगर बहन अभी स्कूल में है, और आप उसे कोई अच्छा तोहफा देना चहते हैं, तो साइकल या कोई अन्य उपयोगी चीज दें। छोटे तोहफों को एक पैकेज भी आप दे सकते हैं जिनमें कोई अच्छी सी ड्रेस, चॉकलेट का बंच, या फिर कार्टून कैरेक्टर वाली बॉटल, टिफिन और कंपॉक्स का सेट दे सकते हैं। आपको अगर पता हो कि वह किन चीजों में रूचि रखत है, तो आप उसे उससे संबंधित चीजें दे सकते हैं।

कॉलेज गोइंगः हां अब आपके पास गिफ्ट देने के अतिरिक्त विकल्प मौजूद हैं क्योंकि यह आपकी बहन के जीवन का अहम समय है। अब उसने बाहरी दुनिया में कदम रखा है, हो सकता है वह पढ़ाई के लिए आपसे दूर किसी अन्य शहर में हो। ऐसे में उसे नया मोबाईल फोन भी तोहफे में दे सकते हैं इसके अलावा अपनी भावनाओं को व्यक्त करने वाली कोई चीज देना बेहतर होगा। जैसे उसकी तस्वीरों से कोई मग बनवा दीजिए जो उसे होस्टल में चाय या कॉफी पीने के काम आएगा और आपकी याद भी दिलाएगा। प्यार भरे कुछ अच्छे से कोटेंशन्स चुन कर टी शर्ट बनव सकते हैं जैसे - माय ब्रदर्स गिफ्ट, लव यू ब्रो, स्वीट एंजिल, बेस्ट सिस्टर इन द वर्ल्ड.... इस तरह की चीजों का क्रेज कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स में काफी होता है। जेब अगर ज्यादा ढीली कर सकते हैं, तो स्कूटी या कोई अन्य गाड़ी भी लेकर दे सकते हैं। इस उम्र में हर चीज को लेकर उत्साह होता है, इसे ध्यान में रखते हुए कु भी ट्रेंडी गिफ्ट दिया जा सकता है।

वर्किंग वुमनः अगर आपकी बहन की पढ़ाई पूरी हो चुकी है और वह वर्किंग वुमन है, तो उसके लिए अपने बचपन की यादों को एक साथ संकलित कर कोई तोहफा दे सकते हैं। या फिर आप उसे कोई पार्टी विअर ड्रेस भी दे सकते हैं। क्योंकि ऑफिस में ज्यादातर फॉर्मल या कैजुअल कपड़े ही पहने जाते हैं। ऐसे में कुछ हटकर उन्हें दिया जाएगा तो बहुत अच्छा लगेगा। इसके अलावा आप कोई बढ़िया सा ब्रांडेड बैग भी उसे दे सकते हैं, जिसे वह ऑफिस या बाहर कैरी कर सके। या फिर कोई फॉर्मल घड़ी भी उसके हाथ की शोभा बढ़ाने के लिए अच्छा तोहफा है। आप चाहें तो ड्रायफ्रूट्स को कोई बड़ा सा पैकेट ले सकते हैं, जो बहन की सेहत की देखभाल करेगा, या फिर उसे किसी अच्छे से पार्लर का कोई वाउचर भी दे सकते हैं।

होने वाली हो शादीः अगर बहन जल्दी ही आपके घर से विदा होकर पराए घर जाने वाली है, तो आप बेशक उसे हर वह चीज दे सकते हैं, जिसका आनंद शायद वह शादी के बाद नहीं ले पाए। अब तो उसकी हर इच्छा पूरी करना आपकी अहम जिम्मेदारी है। यह समय है, जब आपको उसके बचपन से लेकर अब तक के हर पल को संजोना भी है, और उसके साथ जीना भी है। यहां भी तस्वीरें सब कुछ बयां करने में अपकी मदद करेंगी। बचपन से अब तक की यादें उसमें संजोकर दें। शादी में तो उसे हर तरह के उपहार मिल ही जाएंगे ... अभी उसे आपके वक्त की जरूरत है। जितना हो सके उसके साथ वक्त गुजारें, उसे समझें और उसके चेहरे पर मुस्कान बनी रहे, इस बात कर ध्यान रखें। हो सकता है, उसकी कुछ इच्छाएं, कुछ खास ड्रेसेस पहनने की, कहीं घूमने जाने की, किसी से मिलने की या फिर कोई पेट्स पालने की .. इन्हें पूरा करने का प्रयास करें।

विवाहित बहनः शादी के बाद आपको अपनी बहन को ऐसे ही तोहफे देने चाहिए, जो वह प्रयोग कर सके। ज्यादातर साड़ी या अन्य पकड़े दिए जाने का चलन है। लेकिन आप चाहें तो उनकी पसंद के जेवर या फिर अन्य चीजें भी दी जा सकती है। उनके पास किसी चीज की कमी नहीं होगी, लेकिन बचपन की मीठी यादों से तैयार कोई उपहार होगा तो उनके लिए यही सबसे बड़ा और अनमोल तोहफा होगा। इसके साथ ही, राखी पर घर आई बहन के साथ समय बिताएं, उसके मन की बात जानें, और अगर आपको लगता है, कि कुछ जरूरतें हैं तो उसे जरूर पूरा करें। आप तोहफे की जगह पैसे भी दे सकते हैं ताकि सी वक्त पर बहन के काम आ सके।

संपादकीय

नीति आयोग के 'बंजर' युवा

नीति आयोग की नई रपट आई है-'विकसित भारत 2047 के लिए कौशल की पुनर्कल्पना।' रपट में शिक्षा, रोजगार, युवा और उसकी उत्पादकता आदि पर ऐसे खुलासे किए गए हैं, जिनसे लगता है कि हमारी अधिकतर युवा जमात 'बंजर' है! वह देश के कार्यबल का हिस्सा नहीं है। बेशक बेरोजगारी एक भयानक समस्या है, लेकिन शिक्षा पर भी कई सवालिया निशान हैं। रपट के मुताबिक, 15-29 साल के आयु-वर्ग के 8.70 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनमें से करीब 58 फीसदी घरेलू काम में व्यस्त हैं। यानी घर पर बैठे हैं, जबकि यह उम्र सर्वाधिक 'उर्वर' मानी जाती है। इनसान काम करता है और अपने तथा देश के लिए संसाधन पैदा करता है। उसे ही 'जनसांख्यिकीय लाभांश' माना जा सकता है। देश की 65 फीसदी आबादी की उम्र 35 साल से कम है, सिर्फ यही 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का आधार नहीं हो सकता। रपट के मुताबिक, 8.25 फीसदी युवा स्नातकों को ही उनकी शिक्षा और डिग्री के अनुकूल काम मिल पाता है। शेष की पढ़ाई को नौकरी के लायक नहीं समझा जाता, लिहाजा यह उद्योगपतियों और नियोक्ताओं के लिए भी भारी समस्या है कि युवा हुनरमंद नहीं है। उनकी डिग्री महज 'कागज का टुकड़ा' है। बेरोजगार स्नातक 13 फीसदी हैं, जबकि महिला स्नातकों में बेरोजगार 20.4 फीसदी हैं। देश का कुल कार्यबल (काम करने वाले) 65.4 करोड़ है। सिर्फ 14.19 फीसदी को ही नियमित वेतन या मजदूरी नसीब है। गैर-कृषि क्षेत्र में करीब 27 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा हासिल नहीं है। सबसे डरावना और सवालिया आंकड़ा यह है कि केंद्र सरकार में 8,23,556 सरकारी पद खाली पड़े हैं। सरकार इन पदों पर भर्तियां क्यों नहीं करती? यही हाल राज्य सरकारों का है, जहां लाखों सरकारी पद आज भी खाली पड़े हैं, लेकिन नौकरियां दी नहीं जा रही हैं। सरकारें आउटसोर्स करके ठेके पर नौकरियां देती हैं, ताकि अरबों का पेंशन का बोझ खत्म किया जा सके। यह भयावह सवालिया स्थिति है। रक्षा मंत्रालय में 2.41 लाख और रेलवे में 2.40 लाख से अधिक पद खाली हैं। क्या ऐसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मंत्रालय पर्याप्त कार्यबल के बिना ही चलाए जा रहे हैं? यहां देश की सुरक्षा और गति-शक्ति का भी सवाल है। कदाचित यही कारण हैं कि देश के युवा, जेन-जी और जेन-अल्फा, उबल रहे हैं, आक्रोशित और आंदोलित हैं। फिलहाल दिल्ली, भोपाल, पटना, रायपुर, लखनऊ, सागर (मप्र), सिरोही (राजस्थान) और महोबा (उप्र) आदि शहरों में युवा सडक़ों पर हैं। विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, लाठियां खा रहे हैं, आंसू गैस झेल रहे हैं, पानी की तेज बौछार उनकी गति को लडख़ड़ा रही है। फिर भी वे अपने अधिकारों और व्यवस्था को बदलने के लिए लड़ रहे हैं। जब बाल-आयु में भैंस-गाय के तबेलों में स्कूल की कक्षाएं लगेंगी, मात्र 4 कमरों में 512 बच्चे ठूंस कर बिठाए जाएंगे, एक ही कथित अध्यापक सभी कक्षाओं को पढ़ाएगा, न स्वच्छ शौचालय, न पीने का पानी, न ही क्लास रूम में पंखे और डेस्क की व्यवस्था होगी, तो ऐसे स्कूल में पढऩे वाले बच्चे को क्या खाक शिक्षा और नौकरी हासिल होगी? जिन राज्यों में आने वाले महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां नौकरियां देने की घोषणाएं की जा रही हैं। मसलन-उप्र में आगामी 6 माह में एक लाख नौकरियां देने का ऐलान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। उन्होंने स्कूलों के कायाकल्प के लिए 1871 करोड़ रुपए के फंड की भी घोषणा की है। इसी तरह राजस्थान सरकार ने भी 12,500 करोड़ रुपए के फंड की घोषणा की है। मप्र के बड़वानी में जेन जी ने 20 किलोमीटर लंबा जुलूस निकाला। ऐसे कई प्रयासों से जेन-जी ने सरकारों के खिलाफ हल्लाबोल के हालात पैदा कर दिए हैं। आश्चर्य यह है कि देश में सबसे अधिक बेरोजगारी-दर 36.2 फीसदी संघशासित लक्षद्वीप में है, जबकि राज्यों में सर्वाधिक बेरोजगारी-दर केरल और हरियाणा में है। नीति आयोग ने सिफारिश की है कि कौशल-प्रशिक्षण को उच्च शिक्षा के बाद का विकल्प मानने के बजाय स्कूली स्तर से ही शुरू किया जाना चाहिए। कक्षा 6-12 तक सामान्य रोजगार और उद्यमिता कौशल सिखाए जाने तथा कक्षा 9 से व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। शायद उनसे देश की सूरत बदल सकती है! यह भी सत्य है कि सभी युवाओं को सरकारी रोजगार नहीं दिया जा सकता। इसलिए प्राइवेट क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए सरकार को नवीन योजनाएं बनानी चाहिएं। अब हमें यह मानसिकता छोड़ देनी चाहिए कि रोजगार तो केवल सरकारी ही अच्छा होता है। प्राइवेट क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में लोग काम करके अपने और अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमा रहे हैं।

देश की 65 फीसदी आबादी की उम्र 35 साल से कम है, सिर्फ यही 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का आधार नहीं हो सकता। रपट के मुताबिक, 8.25 फीसदी युवा स्नातकों को ही उनकी शिक्षा और डिग्री के अनुकूल काम मिल पाता है। शेष की पढ़ाई को नौकरी के लायक नहीं समझा जाता, लिहाजा यह उद्योगपतियों और नियोक्ताओं के लिए भी भारी समस्या है कि युवा हुनरमंद नहीं है। उनकी डिग्री महज 'कागज का टुकड़ा' है। बेरोजगार स्नातक 13 फीसदी हैं, जबकि महिला स्नातकों में बेरोजगार 20.4 फीसदी हैं। देश का कुल कार्यबल (काम करने वाले) 65.4 करोड़ है। सिर्फ 14.19 फीसदी को ही नियमित वेतन या मजदूरी नसीब है। गैर-कृषि क्षेत्र में करीब 27 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा हासिल नहीं है। सबसे डरावना और सवालिया आंकड़ा यह है कि केंद्र सरकार में 8,23,556 सरकारी पद खाली पड़े हैं। सरकार इन पदों पर भर्तियां क्यों नहीं करती? यही हाल राज्य सरकारों का है, जहां लाखों सरकारी पद आज भी खाली पड़े हैं, लेकिन नौकरियां दी नहीं जा रही हैं। सरकारें आउटसोर्स करके ठेके पर नौकरियां देती हैं, ताकि अरबों का पेंशन का बोझ खत्म किया जा सके। यह भयावह सवालिया स्थिति है। रक्षा मंत्रालय में 2.41 लाख और रेलवे में 2.40 लाख से अधिक पद खाली हैं। क्या ऐसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मंत्रालय पर्याप्त कार्यबल के बिना ही चलाए जा रहे हैं? यहां देश की सुरक्षा और गति-शक्ति का भी सवाल है। कदाचित यही कारण हैं कि देश के युवा, जेन-जी और जेन-अल्फा, उबल रहे हैं, आक्रोशित और आंदोलित हैं।

कुछ अलग

पुरानी कहानी का नया कलेवर

ताज सूरते हाल वही है जो ऐसी हालत में आज से पचास बरस पहले था। फिर इसे ताजा क्यों कह दें? वही निरन्तर बारिश है, और उसके भयावह हो जाने की अग्रिम कोई सूचना नहीं। यहां अचानक बारिश होती है और फिर बढ़ते-बढ़ते न केवल धारसार हो जाती है, बल्कि कई-कई दिन चलती है। हां, अब एक नया शीर्षक अवश्य मिल गया इसके लिए, 'बादल का फट जाना।' इस शीर्षक से स्थिति अधिक रोमांचकारी हो गई लगती है। जीवन में रोमांस का अनुभव होना तो बहुत दिन पहले ही समाप्त हो गया था। अब रोमांच को महसूस करने को भी नए सिरे से पारिभाषित करना होगा। अगर आपकी चलती-फिरती अच्छी भली सडक़ें रूप बदल कर गहरे नदी नालों में तब्दील हो जाएं, तो यह रोमांच है। अगर कठिनाई से बनाए आपके घरों में घुटने-घुटने तक पानी प्रवेश कर जाए और नए-नए सिर उठाते घरों को बरसात सीलन और दरारें दे जाए तो यह रोमांच है।

चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है। अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। रत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निर्माता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं।

25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

देश दुनिया से

धार्मिक पर्यटन से समृद्धि और रोजगार सृजन

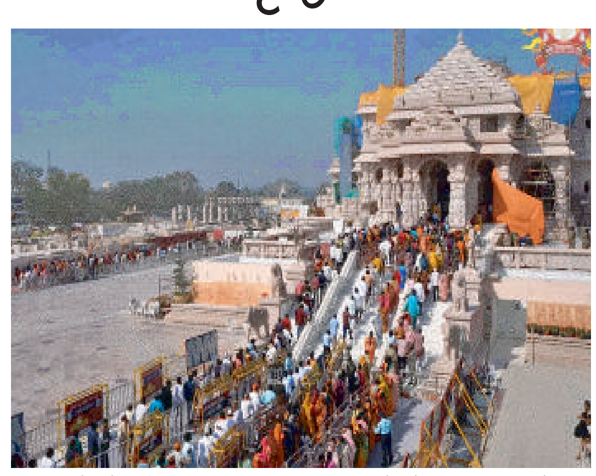

भारत का इतिहास केवल राजाओं, युद्धों और राजनीतिक उत्थान-पतन की कहानी नहीं है। यह हजारों वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक निरंतरता, आध्यात्मिक चेतना, ज्ञान परंपरा, कला, स्थापत्य और सामाजिक समरसता की भी जीवंत गाथा है। मंदिर और तीर्थस्थल इस विरासत के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं। वे केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि शिक्षा, संगीत, साहित्य, लोककला, स्थापत्य और सामाजिक जीवन के केंद्र भी रहे हैं। अमृतकाल में भारत अपनी इसी विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ आधुनिक विकास से जोडऩे का प्रयास कर रहा है। सोमनाथ से काशी, अयोध्या से केदारनाथ और दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों तक संरक्षण, पुनर्विकास और सुविधाओं का विस्तार इसी बदलती सांस्कृतिक दृष्टि का संकेत है। इक्कीसवीं सदी में काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास इसी प्रक्रिया का आधुनिक उदाहरण है। दिसंबर 2021 में श्री काशी विश्वनाथ धाम के प्रथम चरण का उद्घाटन लगभग 339 करोड़ रुपए की लागत से हुआ था। मंदिर परिसर को गंगा तट से जोडऩे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार करने वाले इस प्रकल्प ने काशी के धार्मिक पर्यटन को नई गति दी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उद्घाटन के बाद साढ़े तीन वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम में 25.28 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। एक सरकारी आकलन के अनुसार इससे लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव भी पड़ा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की जनवरी 2024 में हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने धार्मिक पर्यटन के नए आयाम खोले हैं। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार अयोध्या धाम में पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या 2020 के लगभग 60.23 लाख से बढक़र 2024 में 16.44 करोड़ हो गई है। इतनी बड़ी वृद्धि का प्रभाव होटल, परिवहन, रेस्तरां, स्थानीय बाजार, हस्तशिल्प, होमस्टे और अन्य सेवा क्षेत्रों पर पड़ा है। इससे स्पष्ट है कि किसी बड़े तीर्थस्थल का विकास केवल धार्मिक गतिविधि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। तीर्थस्थलों के बढ़ते विस्तार के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ती है। मंदिरों और धार्मिक संस्थानों में आने वाले बड़े दान का उपयोग श्रद्धालुओं के विश्वास, उनके लिए सुविधाओं के निर्माण और सार्वजनिक हित की कसौटी पर होना चाहिए। अयोध्या दान चोरी के आलोक में धन, भूमि या संपत्ति से जुड़ी किसी भी अनियमितता की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के साथ साथ दीर्घकालीन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ-2025 इसका असाधारण उदाहरण रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 45 दिनों तक चले महाकुंभ में 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई थी। यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक शक्ति के साथ-साथ विशाल स्तर पर परिवहन, स्वच्छता, आवास, सुरक्षा और डिजिटल प्रबंधन की क्षमता का भी प्रदर्शन था। केदारनाथ भी आस्था, पुनर्निर्माण और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय का महत्वपूर्ण उदाहरण है। 2013 की विनाशकारी आपदा के बाद केदारपुरी के पुनर्विकास में सुरक्षा, मार्ग और तीर्थयात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई। अब सोनप्रयाग-केदारनाथ 12.9 किलोमीटर रोपवे परियोजना को 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति मिली है, जिसकी क्षमता प्रति दिशा 1800 यात्रियों प्रति घंटे की होगी। इससे यात्रा समय को लगभग आठ-नौ घंटे से घटाकर करीब 36 मिनट करने का लक्ष्य है। पर्वतीय क्षेत्रों में जलस्रोत, कचरा प्रबंधन और पारिस्थितिकी की रक्षा करना भी जरूरी हो गया है। सरकार की (पीआरएएसएचएडी) अर्थात तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। फरवरी 2025 तक पर्यटन मंत्रालय के अनुसार इस योजना के तहत 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 47 परियोजनाएं 1594.40 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से स्वीकृत की थीं। इसके अतिरिक्त धार्मिक और विरासत स्थलों के विकास के लिए स्वदेश दर्शन जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि सडक़, परिवहन, स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं का समग्र विकास है। धार्मिक पर्यटन की अवधारणा मंदिर दर्शन से आगे बढ़ चुकी है। योग, ध्यान, आयुर्वेद, आध्यात्मिक रिट्रीट, स्थानीय खानपान, हस्तशिल्प, लोककलाएं और सांस्कृतिक उत्सव इसके नए आयाम बन रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, होमस्टे, परिवहन, डिजिटल सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। यदि स्थानीय समुदाय को इस अर्थव्यवस्था का वास्तविक भागीदार बनाया जाए, तो तीर्थ पर्यटन ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर सकता है। इसलिए संस्कृत सहित भारतीय भाषाओं, शास्त्रीय संगीत, नृत्य, योग, आयुर्वेद, दर्शन, लोककलाओं और पारंपरिक ज्ञान को डिजिटल माध्यमों तथा वैश्विक मंचों से जोडऩा समय की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के लिए भी इसमें बड़ी संभावनाएं हैं। हाल ही में, केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में धार्मिक, सीमावर्ती और दूरदराज के पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए 84 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जिसमें मां चिंतपूर्णी मंदिर के लिए 56.26 करोड़ तथा किन्नौर के रकछम और लाहौल-स्पीति के काजा में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए 24.82 करोड़ रुपए शामिल हैं।

आप का नज़रिया

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा, जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है। ईश्वर हर बच्चे की रचना उसके विशिष्ट गुण के साथ करता है। जरूरी नहीं है कि इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले हर छात्र की रुचि इंजीनियरिंग में ही हो। कोई छात्र मानविकीय संकाय की प्रतिभा हो सकता है। इंजीनियरिंग, उसकी रुचि व मन का विषय नहीं हो सकता, जिसके चलते वो पूरे मनोयोग से इस पाठ्यक्रम से साम्य नहीं बैठा पाता। आज सोशल मीडिया की विकृतियां तमाम छात्रों की एकाग्रता को बाधित कर रही हैं। सोशल मीडिया उनमें हताशा व आवेश भर रहा है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा, जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं।

दृष्टि कोण

वीरता-बलिदान के लिए राष्ट्र ने दिया सम्मान

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ ने कुल 86 पदक जीतकर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। उसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सबसे अधिक कुल 86 वीरता और सेवा पदक प्राप्त हुए। उसे 24 वीरता पदक, 5 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 57 सराहनीय सेवा पदक मिले। झारखंड में अप्रैल 2025 में चलाए गए चुनौतीपूर्ण नक्सलवाद-विरोधी अभियान के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए 209वीं कमांडो बटालियन फॉर रिजाल्यूट एक्शन (कोबरा) के डिप्टी कमांडेंट अंजनी कुमार और कांस्टेबल दीपक साह को शौर्य चक्र के लिए चुना गया। कीर्ति चक्र शांतिकाल में दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। 24 वीरता पदक 2024 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी दो अभियानों और मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ सफल अभियान के लिए मिले। जब वीरता, शौर्य और बलिदान की बात की जाती है, तो हमेशा भारतीय सेना की चर्चा होती है, लेकिन हमारे अर्धसैनिक बल भी किसी से कम नहीं हैं। चाहे कश्मीर हो, नॉर्थ-ईस्ट हो या फिर छत्तीसगढ़ और ओडिशा, हर ओर जहां आंतरिक सुरक्षा का मामला उठता है, वहीं-वही सीआरपीएफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और अपनी वीरता दिखाई है। 'लाल आतंकवाद' के खात्मे में इसकी बड़ी भूमिका रही है। हाल ही में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन-209 ने एक करोड़ रुपये के इनामी, भाकपा केंद्रीय कमेटी के सदस्य मिसिर बेसरा को गिरफ्तार किया। मिसिर बेसरा पोलित ब्यूरो का आखिरी सदस्य था और उस पर कुल 2.20 करोड़ रुपये का संयुक्त इनाम था। उस पर झारखंड, बंगाल और ओडिशा में 175 से भी अधिक मामले दर्ज थे। आज झारखंड ही नहीं, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में नक्सलवाद अतीत का दुस्वप्न बन चुका है और वहां के स्थानीय निवासी शांति से रह रहे हैं। अपने घर से सैकड़ों मील दूर घने जंगलों में, जहां पानी की एक बूंद भी मयस्सर नहीं होती, कठिन से कठिन परिस्थितियों में रहते हुए उन्होंने लगभग अदृश्य उग्रवादियों से लोहा लिया और अंततः सफल हुए। इस साल जुलाई में सीआरपीएफ की स्थापना के 88 साल पूरे हो गए। इन वर्षों में जब भी इसकी आवश्यकता पड़ी है, इसने अपना शौर्य दिखाया है और बलिदान भी दिया है। इन जांबाज जवानों और अधिकारियों के बलबूते ही गृह मंत्री ने यह घोषणा की थी कि 31 मार्च, 2026 तक सशस्त्र नक्सल आंदोलन समाप्त हो जाएगा। यह संभव भी हुआ और नक्सलवादियों की कमर तोड़ दी गई। हाल के वर्षों में इस बल ने और अधिक चुस्ती-फुर्ती दिखाई और बड़े ऑपरेशन किए। गृह मंत्री शाह ने नक्सल-विरोधी अभियानों के लिए इस बल का सशक्तीकरण किया। इसे आधुनिकतम हथियार दिलाए, निगरानी के उपकरण जैसे ड्रोन और संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध कराए। समुचित इंटेलिजेंस की व्यवस्था करवाई तथा संबंधित राज्यों के पुलिस बलों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित किया। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियनों ने कई ऐतिहासिक ऑपरेशनों को अंजाम दिया, जैसे— ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट, ऑपरेशन ऑक्टोपस, ऑपरेशन डबल बुल और ऑपरेशन चक्रबंधा, जिनसे माओवादियों की शक्ति लगातार क्षीण होती गई। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे खतरनाक अभियान में 27 खूंखार नक्सली मारे गए। पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी को अपने उन अड्डों को छोड़कर भागना पड़ा, जहां वे वर्षों से जमे बैठे थे। जवानों ने अपनी वीरता दिखाते हुए और जान पर खेलते हुए दुर्गम इलाकों जैसे—बुढ़ा पहाड़, पारसनाथ, बरमसिया, चक्रबंधा, कारेगुट्टालु और अबूझमाड़ पर फिर से कब्जा कर लिया।

काराबाओ कप के तीसरे दौर में लिवरपूल–टोटेनहम की टक्कर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के सामने ब्राइटन

लंदन

काराबाओ कप 2026-27 के तीसरे दौर में लिवरपूल का सामना टोटेनहम हाटस्पर से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड की भिड़ंत ब्राइटन एंड होव एल्बियन से होगी। तीसरे दौर में प्रीमियर लीग की छह टीमें आपस में भिड़ सकती हैं।

यूरोपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली इंग्लैंड की नौ टीमें—आर्सेनल, मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड, एस्टन विला, लिवरपूल, ब्राइटन एंड होव एल्बियन, सुंदरलैंड, बोर्नमाउथ और क्रिस्टल पैलेस—तीसरे दौर से प्रतियोगिता में उतरेंगी।

मैनचेस्टर सिटी के सामने नार्विच सिटी की चुनौती होगी, जबकि पिछले साल की उपविजेता आर्सेनल का सामना इप्सविच टाउन से होगा। एस्टन विला को कोवेंट्री सिटी और सुंदरलैंड को हल सिटी से खेलना है।

चेल्सी का मुकाबला लीड्स यूनाइटेड से हो सकता है, लेकिन इसके लिए उसे ल्यूटन टाउन को हराना होगा। न्यूकैसल यूनाइटेड का सामना मिलवाल से और एवर्टन का मुकाबला वूल्व्स से होगा।

यूईएफए प्रतियोगिताओं के मुकाबलों से टकराव से बचने के लिए तीसरे दौर के मैच सात से 14 सितंबर के सप्ताह में खेले जाएंगे।

काराबाओ कप तीसरे दौर का ड्रा

- क्रिस्टल पैलेस बनाम मिडिल्सब्रो
- मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम ब्राइटन
- मैनचेस्टर सिटी बनाम नार्विच सिटी
- सुंदरलैंड बनाम हल सिटी
- इप्सविच टाउन बनाम आर्सेनल
- कोवेंट्री सिटी बनाम एस्टन विला
- बोर्नमाउथ बनाम लिंकन सिटी
- लिवरपूल बनाम टोटेनहम हाटस्पर
- चेल्सी या ल्यूटन टाउन बनाम लीड्स यूनाइटेड
- मिलवाल बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड
- फ्लीटवुड टाउन बनाम शेफील्ड यूनाइटेड
- एवर्टन बनाम वूल्व्स
- लेटन ओरिएंट बनाम ब्रैडफोर्ड सिटी
- रीडिंग बनाम ब्रेंटफोर्ड
- पीटरबरो यूनाइटेड बनाम बार्नस्ले
- वेस्ट हैम यूनाइटेड बनाम फुलहम या एएफसी विम्बलडन।

हारता हुआ मैच बचा ले गया श्रीलंका, कोलंबो टेस्ट ड्रॉ

भारत ने 1–0 से जीती सीरीज, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में लगा बड़ा झटका, सोनल दिनुषा के नाबाद शतक ने भारत की जीत की उम्मीदों पर फेरा पानी, श्रीलंका ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बनाकर मुकाबला बचाया

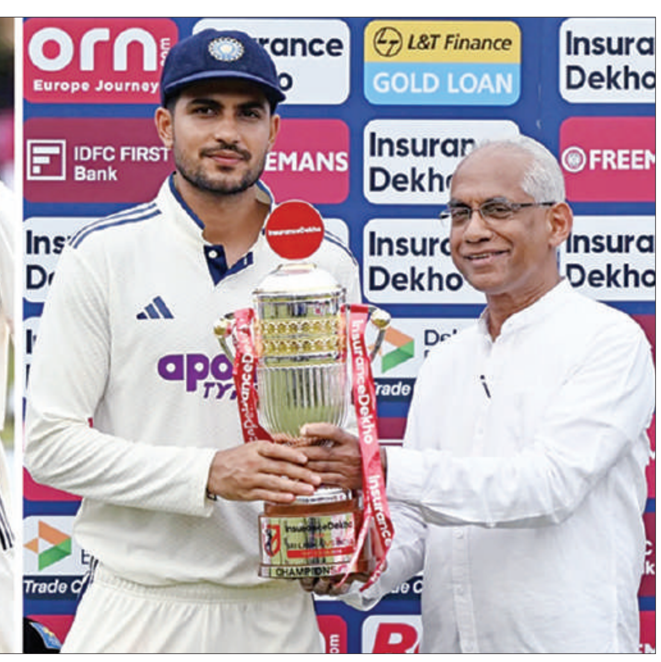

कोलंबो, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेला गया सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर सकी और मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया। इसी के साथ भारतीय टीम ने दो मैचों की सीरीज 1–0 से अपने नाम कर ली। चौथे दिन के खेल की समाप्ति पर श्रीलंका का स्कोर 6 विकेट पर 229 रन था। आखिरी दिन तीनों सत्रों में भारतीय गेंदबाज श्रीलंका के केवल दो विकेट ही हासिल कर सके। सोनल दिनुषा के शानदार शतक के दम पर मेजबान टीम ऑलआउट होने से बच गई और मुकाबला ड्रॉ कराने में सफल रही।

पहली पारी की बढ़त के बाद श्रीलंका को दिया था फॉलोऑन

इस मैच में पहली पारी में 9 विकेट खोकर 503 रन बनाने वाली भारतीय टीम ने श्रीलंका को उसकी पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। इसके बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने गजब का जज्बा दिखाते हुए दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 429 रन बोर्ड पर लगा दिए। आखिरकार दोनों टीमों को मैच ड्रॉ पर समाप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सोनल दिनुषा की शानदार पारी

सोनल दिनुषा और केशारा नुवांथा ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को पहले सत्र में बेअसर रखते हुए श्रीलंका को संकट से बचाए रखा। दिनुषा और नुवांथा के बीच सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी हुई। दोनों ने 242 गेंदों का सामना किया। इसी वजह से भारतीय टीम की श्रीलंका को जल्दी समेटने की कोशिशें लगातार नाकाम होती रहीं। पहले सत्र में सोनल दिनुषा ने अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक भी पूरा किया।

मानव सुथार ने कराई भारत की वापसी

दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में भारत को सफलता मिली। बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने केशारा नुवांथा को आउट कर दिया। उन्होंने 46 रनों की पारी खेली और 150 गेंदों का सामना किया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे प्रभात जयसूर्या ने 28 गेंदों पर 2 रन बनाए। उनका विकेट रविंद्र जडेजा ने हासिल किया। सोनल दिनुषा और जयसूर्या की साझेदारी 71 गेंदों तक चली, जिसमें दोनों ने 25 रन जोड़े।

दिनुषा ने दूसरी पारी में भी जड़ा शतक

पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले सोनल दिनुषा तीसरे और अंतिम सत्र में भी नहीं रुके और उन्होंने मैच में अपना दूसरा शतक पूरा किया। उनका साथ लहिरू कुमारा ने बखूबी निभाया, जो श्रीलंका के आठ विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए थे। कुमारा ने 90 गेंदों का सामना करते हुए 12 रन बनाए। उनकी इस पारी से भारत के मुकाबला जीतने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई।

इसके बाद असिथा फर्नांडो आखिरी बल्लेबाज के तौर पर क्रीज पर आए और 24 गेंदों तक अपना विकेट नहीं गंवाया। दूसरी ओर दिनुषा 133 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत की ओर से दूसरी पारी में रविंद्र जडेजा और मानव सुथार ने 3–3 विकेट हासिल किए।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को बड़ा झटका

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह मुकाबला भारत के लिए काफी अहम था। यदि भारतीय टीम यह मैच जीत जाती, तो उसे पूरे 12 अंक मिलते और उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 63.33 हो जाता। इससे भारतीय टीम चौथे पायदान पर पहुंच सकती थी।

हालांकि, मैच ड्रॉ रहने की वजह से दोनों टीमों के खाते में 4–4 अंक ही आए। इस नतीजे के बाद भारत का अंक प्रतिशत 53.33 से घटकर 51.51 पर आ गया है। इसके बावजूद भारतीय टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, श्रीलंका का अंक प्रतिशत 33.33 पर स्थिर है और वह छठे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर कायम

तालिका के शीर्ष स्थानों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए बड़ी जीत दर्ज की। इससे उसका अंक प्रतिशत 80 तक पहुंच गया और वह शीर्ष स्थान पर मजबूत स्थिति में बना हुआ है। मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका 75 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने वाला न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर कायम है।

अब न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से होगा सामना

भारतीय टीम अब सीमित ओवरों के प्रारूप में व्यस्त होगी और उसका अगला टेस्ट मुकाबला नवंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत के पास अब 7 टेस्ट मैच बचे हैं। इनमें 2 मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ और 5 मैच घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

सीपीएल : सेंट लूसिया किंग्स ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

पोर्ट आफ स्पेन। टिम सेफर्ट के शानदार नाबाद शतक और कप्तान रोस्टन चेज की तूफानी गेंदबाजी के दम पर सेंट लूसिया किंग्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराकर अंक तालिका में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट लूसिया किंग्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 211 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टूर्नामेंट में उसका दूसरा 200 से अधिक का स्कोर है। सेफर्ट ने 61 गेंदों पर नाबाद 105 रन की शानदार पारी खेली। कामिल पूरन ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 60 रन जोड़े। जान कैंपबेल ने 17 गेंदों पर 27 रन बनाए और सेफर्ट के साथ 38 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की। चारिथ असलंका ने 21 गेंदों पर 33 रन की उपयोगी पारी खेली। सेफर्ट ने अंतिम ओवर में 57 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स की टीम को कप्तान रोस्टन चेज ने आठवें ओवर में बड़ा झटका दिया। चेज ने सिर्फ पांच गेंदों के अंदर सुनील नरेन, मैथ्यू ब्रीट्जके और निकोलस पूरन को आउट कर दिया। मैथ्यू फोर्ड ने इसके बाद कीरोन पोलार्ड की 65 रन की आक्रामक पारी का अंत किया। सेंट लूसिया के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और नाइट राइडर्स को 175 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ सेंट लूसिया किंग्स के आठ अंक हो गए हैं और वह टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी टीम बन गई है।

आस्ट्रेलिया सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, सहवाग और द्रविड़ के बेटों को मौका

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया अंडर–19 टीम के भारत दौरे के लिए भारतीय अंडर–19 टीम की घोषणा कर दी गई है। दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और दो बहुदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय टीम में आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ जैसे चर्चित नामों को जगह मिली है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए लक्ष्य रायचंदानी को कप्तान और यशवर्धन चौहान को उपकप्तान बनाया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ भी टीम का हिस्सा हैं। एकदिवसीय टीम लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल। मल्टी–डे मुकाबलों के लिए भारत की अंडर–19 टीम : यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव।

7 अक्टूर से अहमदाबाद में होगी राष्ट्रमंडल क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप

अहमदाबाद। यहां 7 से 10 अक्टूबर तक अहमदाबाद के सावरकर खेल परिसर में राष्ट्रमंडल क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इसमें 46 देश भाग लेंगे।चार दिवसीय इस प्रतियोगिता से क्यू स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने को बेहतरीन अवसर मिलेगा। इसमें लगभग 46 देशों के खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन से भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी उपस्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा। भारतीय बिलियर्ड्स और स्नूकर महासंघ (बीएसएफआई) के अनुसार, चैंपियनशिप में पुरुष और महिला वर्ग में बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबाल, 10–बाल पूल और ब्लैकबाल जैसी विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। चार मुख्य स्पर्धाओं में पुरुष और महिला वर्ग में 16–16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस साल के कार्यक्रम में विशेष रूप से बिलियर्ड्स को शामिल किया गया है, जिसमें दोनों वर्गों में आठ–आठ खिलाड़ियों का ड्रा होगा, जिससे प्रतियोगिता और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। इस चैंपियनशिप का आयोजन विश्व बिलियर्ड्स खेल महासंघ (डब्ल्यूसीबीएस) और बीएसएफआई के तत्वावधान में एपेक्स स्पोर्ट्स द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता को क्यू स्पोर्ट्स के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच माना जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बीएसएफआई ने 13 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है।

अब आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में खेलती नजर आयेंगी अनाया बांगर

मुंबइ। पूर्व भारतीय क्रिकेट क्रिकेट और कोच संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर अब आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट में खेलती नजर आयेंगी। अनाया को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने एक ट्रांस क्रिकेटर के रूप में शामिल किया है। अनाया ने अपनी आस्ट्रेलियाई क्रिकेट यात्रा और ट्रांस क्रिकेटर के रूप में अपनी पहचान को लेकर सोशल मीडिया के जरिये अपनी बात रखी है। वह शीघ्र ही आस्ट्रेलिया भी जाने वाली हैं। अपनी पूरी क्रिकेटिंग यात्रा और मैदान पर वापसी को लेकर अनाया ने कहा, मैं मार्च 2027 से ही आस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रही हूं, हालांकि ये आसान नहीं रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया के पास महिला खेलों के लिए एक बेहतरीन ढ़ाचा है और वह भी इससे गुजरी हैं। अनाया ने कहा किया कि अगर मार्च 2027 में हुई जांच में ये पाया जाता है कि मैं सभी जरूरी टेस्टोस्टेरोन क्राइटेरिया को पूरा करती हूं, तो मैं एलीट महिला क्रिकेट टीम में चयन प्रक्रिया में शामिल होने के योग्य हो जाऊंगी।

श्रीजेश सहित दिग्गजों ने हाकी के भविष्य पर चिन्ता जतायी

पेरिस

भारतीय टीम के एफआईएच विश्वकप से बाहर होने के बाद से ही पूर्व गोलकीपर पी आर श्रीजेश सहित कई दिग्गजों ने हाकी के भविष्य को लेकर गंभीर चिन्ता जतायी है। इन्होंने जूनियर खिलाड़ियों को समय पर अवसर न दिए जाने पर भी चिंता जतायी और कहा है कि सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा ये भी बड़ा सवाल है।

श्रीजेश ने पूछा, क्या हमने दूसरी टीम तैयार की है लास एंजिलिस ओलंपिक में अब केवल दो साल बचे हैं और उससे पहले मुश्किल से तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे, जिनसे ओलंपिक के लिए खिलाड़ी तैयार नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि वर्तमान विश्व कप टीम में वही कोर खिलाड़ी हैं, जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर खिलाड़ी अब भी इंतजार ही कर रहे हैं।

वहीं पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए और कहा कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर मिलने चाहिए। उनका मानना है कि विश्वकप मे कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया, और प्रदर्शन में निरंतरता न होने से भारत ने सर्वश्रेष्ठ अवसर गंवा दिया, क्योंकि हर 10 मिनट में रक्षापंक्ति डगमगा गयी। वहीं पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय फारवर्ड लाइन की गुणवत्ता पर निराशा व्यक्त की, यह कहते हुए कि पिछले चार सालों में किसी भारतीय फारवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। उन्होंने टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाए। भास्करन ने भी कहा है कि हमने नए खिलाड़ियों को अवसर ही नहीं दिए।

उन्होंने भारतीय चयन प्रक्रिया पर कटाक्ष कसते हुए कहा कि हम पिछले रिकार्ड और आंकड़ों के आधार पर ही टीम चुन लेते हैं। भास्करन ने सुझाव दिया कि कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाया जाना चाहिए था। वहीं, हाकी दिग्गज परगट सिंह का मानना है कि भारतीय हाकी का आंतरिक ढांचा इतना कमजोर है कि नई प्रतिभाएं निकल ही नहीं पातीं।

उन्होंने अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं के अभाव को इसका मुख्य कारण बताया, पुराने टूर्नामेंटों जैसे बेटन कप, आगा खान कप और बाम्बे गोल्ड कप के खत्म होने पर अफसोस जताया, जिनसे पहले अच्छी प्रतिभाएं निकलती थीं। परगट ने यह भी जोड़ा कि अगर नए खिलाड़ियों को मौका देना था, तो इस बदलाव की शुरुआत दो साल पहले ही कर देनी चाहिए थी। एक अन्य ओलंपियन ने कहा कि एशियाई चैंपियंस ट्राफी या एशिया कप जीतने से ही खुद का आकलन कर लिया जाता है, जबकि यूरोपीय टीमों के सामने प्रदर्शन में वह विफल रहती है।

भारतीय टीम के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाना कठिन होगा : द्रविड़

न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया से मिलेगी कड़ी टक्कर

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि टीम इंडिया के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचना कठिन होगा। द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम अभी अंक तालिक में पांचवे नंबर पर है और उसे खिताबी मुकाबले में अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए अपने बचे हुए अधिकतर मैच जीतने होंगे। द्रविड़ ने कहा कि अगर भारतीय टीम मौजूदा स्थिति के बावजूद डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहता है, तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी। द्रविड़ ने साथ ही कहा, मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने में सफल रहेगी। मुझे लगता है कि भारतीय टीम थोड़ा पीछे चल रही है, लेकिन भारतीय टीम बहुत शानदार है और उसे किसी भी स्तर पर कम नहीं आंका जा सकता। उसने श्रीलंका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की, इसलिए पहला कदम बहुत अच्छा है।

हालांकि भारतीय टीम की असली परीक्षा अगले साल न्यूजीलैंड दौरे पर होगी। तब भारतीय टीम को जनवरी 2027 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैच खेलेगी। इस दौरे में पांच एकदिवसीय और उतने ही टी–20 मैच भी रहेंगे। द्रविड़ ने इस दौरे को लेकर कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके घरेलू मैदानों पर खेलना हमेशा ही चुनौती पूर्ण रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी का अहसास टीम को होगा। द्रविड़ ने कहा, भारत के कई युवा खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के कठिन हालातों में नहीं खेला है, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की टीम कड़ी चुनौती पेश करती है। न्यूजीलैंड के बाद, भारतीय टीम को अपनी धरती पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ बार्डर–गावस्कर ट्राफी में पांच टेस्ट मैचों की एक और कठिन सीरीज खेलनी होगी। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने बताया कि घरेलू सीरीज भी आसान नहीं होगी क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी भारत में अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने के लिए बेताब रहेंगे।

शाह ने 2030 राष्ट्रमण्डल और 2036 ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमण्डल खेलों गेम्स और 2036 में प्रस्तावित ओलंपिक खेलों की तैयारियों की समीक्षा की। शाह ने शहर को इन मेगा स्पोर्ट्स इवेंट्स की मेजबानी के लिए तैयार करने को कहा। साथ ही व्यवस्थाओं की प्रगति का आंकलन किया। गौरतलब है कि अहमदाबाद 2030 कामनवेल्थ खेलों की मेजबानी के लिए अपनी खेल संरचना और अन्य सुविधाओं को तेजी से बढ़ा रहा है। इससे साथ ही भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनीबोली लगाई है, जिसमें अहमदाबाद को ही मुख्य मेजबान शहर के बनाया है। शाह ने इससे पहले मई में भी इन दो बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की थी। तब उन्होंने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अहमदाबाद में खेल संरचनाओं और उनसे जुड़े प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा बैठक की थी। समीक्षा बैठक इसलिए भी की जा रही है क्योंकि राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले अहमदाबाद की खेल संरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में मोटेरा में स्थित अत्याधुनिक नरेंद्र मोदी स्टेडियम को और विकसित किया जा रहा है, जबकि सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव का निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है, जो शहर को विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं से लैस करेगा। केंद्र सरकार ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि 70 से अधिक देशों में खेल संरचना, खेल सहभागिता और अन्य सुविधाओं के गहन निरीक्षण और मूल्यांकन के बाद भारत को 2030 कामनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अधिकार प्रदान किया गया था।

मंच के डर पर पाएं विजय: 3 सितंबर से चार दिवसीय विशेष कार्यशाला

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो): मीडिया जंक्शन द्वारा 'कन्कर स्टेज फियर' (मंच के डर पर विजय) नामक चार दिवसीय गहन इन-पर्सन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को स्टेज फियर से उबारना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें दर्शकों के सामने प्रभावी ढंग से बोलने में सक्षम बनाना है। यह कार्यशाला जनसंपर्क विशेषज्ञ और अनुभवी प्रशिक्षक डी. रामचंद्रम द्वारा संचालित की जाएगी, जिसमें घबराहट और हिचकिचाहट दूर करने की व्यावहारिक तकनीकें सिखाई जाएंगी।

यह कार्यक्रम 3 से 6 सितंबर 2026 तक मीडिया जंक्शन (ग्राउंड फ्लोर, परतानी टावर्स, गोलकुंडा क्रॉस रोड्स, मेट्रो पिलर नंबर 1083, मुशीराबाद, हैदराबाद) में आयोजित होगा। व्यक्तिगत ध्यान और अभ्यास का पर्याप्त अवसर देने के लिए इसमें अधिकतम 15 प्रतिभागियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।शुरुआती तीन दिन (3, 4 और 5 सितंबर) सत्र शाम 6.00 बजे से रात 9.30 बजे तक चलेंगे, जबकि अंतिम दिन (रविवार, 6 सितंबर) सुबह 10.00 बजे से रात 8.00 बजे तक पूर्णकालिक सत्र होगा। कार्यशाला में शरीर की भाषा के प्रभावी उपयोग, विचारों के संयोजन, व्यावहारिक अभ्यास और व्यक्तिगत फीडबैक पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।यह कार्यक्रम छात्रों, उद्यमियों, पेशेवरों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों और उन सभी के लिए बेहद उपयोगी है जो समूह के सामने बोलने में असहज महसूस करते हैं। मीडिया जंक्शन की निदेशक डी. कल्पना ने बताया कि मंच का डर कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक सामान्य मानवीय प्रतिक्रिया है,

आखिरी बार भाई की कलाई पर बांधी राखी

राखी से पहले करंट ने छीन लिया 24 वर्षीय नवीन को, नेहरू कॉलोनी में पसरा मातम

26 अगस्त की घटना, कंरट की घटना ने परिवार को दिया बडा. सदमा

शादनगर, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षाबंधन की खुशियों के बीच नेहरू कॉलोनी में बुधवार को एक ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। मटन की दुकान में बिजली के तार की मरम्मत करते समय करंट की चपेट में आने से 24 वर्षीय नवीन की मौत हो गई।

बताया गया कि नवीन अपनी दुकान में बिजली के तार की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान अचानक तार में दौड़ रहे करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने उसे बचाने की कोशिश की और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

भाई की मौत की खबर परिवार के लिए किसी वज्रपात से कम नहीं थी। खासकर बहन पूजिता के लिए यह हादसा जिंदगी भर का दर्द बन गया। जिस भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना करनी थी, उसी भाई को अंतिम विदाई देने की घड़ी सामने आ गई।

सबसे भावुक कर देने वाला दृश्य तब सामने आया, जब पूजिता ने अपने मृत भाई की कलाई पर आखिरी बार राखी बांधी। आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। कांपते हाथों से राखी बांधते हुए बहन मानो अपने भाई से आखिरी बार वही रिश्ता निभा रही थी, जो हर रक्षाबंधन पर दोनों के बीच और मजबूत होता था।

जिस कलाई पर हर साल बहन राखी बांधकर भाई से अपनी रक्षा का वादा लेती थी, उसी कलाई पर इस बार बिछड़ने की आखिरी निशानी बंधी। बहन की आंखों के सामने भाई की यादें थीं और दिल में सिर्फ एक सवालराखी के दिन अब भाई किसकी कलाई पर होगा?

रक्षाबंधन से ठीक पहले हुई नवीन की मौत ने परिवार की खुशियां छीन लीं। घर में जहां त्योहार की तैयारियां होनी थीं, वहां मातम और सिसकियों की आवाजें गूंजने लगीं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

नेहरू कॉलोनी के लोगों ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताया। 24 वर्ष की उम्र में नवीन का यूं अचानक दुनिया से चले जाना परिवार के लिए कभी न भर पाने वाला जख्म छोड़ गया। इस बार राखी आई जरूर, लेकिन भाई की कलाई पर बंधी राखी के साथ बहन की आंखों में सिर्फ आंसू थे, और भाई की याद हमेशा के लिए।

रक्षाबंधन समारोह में भाई-बहन के स्नेह का दिखा अनूठा संगम

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर वर्षा प्रशांत गोलेच्छा एवं बिंदिया शेरमल तातेड़ के आतिथ्य में रक्षाबंधन समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में परिवारजनों एवं समाजबंधुओं ने भाग लेकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर अनिल, सुनील, प्रमोद, विनय, अरिहंत, अजित, आदेश, मोहित, संकेत, शुभम गोंग परिवार, महेश चोरड़िया, शांतिलालजी, नवीन, सचिन, प्रवीण, नितिन अलिजार, दीपेश संचेती, सुनीलजी खीवांसा एवं परिवार, सुप्रिया देवड़ा, ललित मखाना, दिलीप बोहरा, संजय सुराणा, विजय सुराणा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह में कांता देवी गोलेच्छा, शोभा तातेड़, मीना गोंग, सम्यक गो-लेच्छा एवं नीव गोलेच्छा सहित परिवार की अन्य सदस्य भी मौजूद रहीं। सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के प्रेम एवं पारिवारिक एकता का संदेश दिया।

अंत में प्रशांत गोलेच्छा एवं शेरमल तातेड़ ने समारोह में शामिल सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

पार्किंग शुल्क नियम के विरोध में सज्जन राज मेहता ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महानगर के ट्रेड एक्टिविस्ट सज्जन राज मेहता ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को ज्ञापन सौंपकर ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के प्रस्तावित पार्किंग नियम, 2026 का विरोध किया है। प्रस्तावित नियमों के तहत आवासीय सड़कों पर वाहनों के लिए 15,000 से 25,000 तक वार्षिक शुल्क लगाने की योजना है। मेहता ने कहा कि नागरिक पहले से रोड टैक्स और संपत्ति कर का भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में बिना अतिरिक्त पार्किंग सुविधा या सुरक्षा उपलब्ध कराए शुल्क वसूलना अनुचित है।

उन्होंने पुराने इलाकों में पार्किंग विकल्पों की कमी और निजी ऑपरेटरों को टोइंग अधिकार दिए जाने पर भी आपत्ति जताई। ज्ञापन में नियमों को फिलहाल स्थगित करने, वार्डवार पार्किंग क्षमता का पारदर्शी ऑडिट, भवनों में अनिवार्य पार्किंग नियमों का कड़ाई से पालन तथा सार्वजनिक परिवहन के विस्तार सहित 8-सूत्रीय रोडमैप सुझाया गया है। साथ ही पार्किंग राजस्व को स्थानीय परिवहन सुधारों पर खर्च करने और वार्ड स्तर पर नागरिकों से परामर्श करने की मांग की गई है।

नीट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महेश्वरम् जोन डीसीपी श्री के. नारायण रेड्डी, आईपीएस, इब्राहिंपटनम में गुरु नानक कॉलेज के समीप स्थित दुर्घटना प्रवण क्षेत्र का दौरा कर वहां की सड़क सुरक्षा स्थिति का निरीक्षण किया। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और उस क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए कॉलेज प्रबंधन, नगरपालिका अधिकारियों तथा सड़क एवं भवन विभाग (आर एंड बी) के अधिकारियों के साथ चर्चा की।इसके पश्चात श्री के. नारायण रेड्डी, आईपीएस, इब्राहिंपटनम परिधि में शेरिगुडा स्थित आईओएन डिजिटल जोन नीट परीक्षा केंद्र का दौरा कर परीक्षा संचालन के लिए किए गए प्रबंधों का निरीक्षण किया।इस अवसर पर टीसीएस अधिकारियों से बातचीत कर परीक्षा को सुचारू, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से संचालित करने के लिए किए गए सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरे में इब्राहिंपटनम एसीपी श्री के.पी.वी. राजू, इब्राहिंपटनम एसएचओ श्री एम. महेंद्र रेड्डी, ट्रैफिक सीआई, इब्राहिंपटनम तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

करोड़ों...

किसकी जेब से जा रहा है यह पैसा?

दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता 2016 ने कई मामलों में बकाया राशि की वसूली को आसान और तेज बनाने का प्रयास किया है। हालांकि, ऐसे मामलों ने देश के बैंकिंग ढांचे और कर्ज वसूली की प्रक्रिया को लेकर कई सवाल भी खड़े किए हैं।

सवाल यह उठता है कि जब 22 हजार करोड़ रुपये का कर्ज केवल 6.5 करोड़ रुपये में निपट जाता है तो बाकी करीब 21,999 करोड़ रुपये का नुकसान कौन उठाता है? इसका जवाब सीधे तौर पर यह मान लेना सही नहीं होगा कि पूरी रकम आम करदाताओं या बैंक ग्राहकों से वसूली जाती है, क्योंकि दिवाला प्रक्रिया में वसूली, परिसंपत्तियों के मूल्य, गारंटी, कानूनी दावों और ऋणदाताओं के बीच वितरण जैसे कई पहलू शामिल होते हैं। हालांकि, बैंकिंग व्यवस्था में बड़े कर्ज की भारी कटौती होने पर उसका असर बैंकों की वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है और अंततः इसका प्रभाव व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

जब बड़े उद्योगपतियों को कर्ज दिया जाता है और बाद में कर्ज का बड़ा हिस्सा दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत छोड़ना पड़ता है, तो बैंकों की बैलेंस शीट पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसे मामलों में यह सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है कि कर्ज देते समय जोखिम का आकलन कितना प्रभावी था और वसूली की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी रही।

बड़े कर्ज की भारी कटौती ने बैंकिंग व्यवस्था पर खड़े किए सवाल

विजय माल्या भले आज नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हों और सुभाष चंद्रा के बहाने व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हों, लेकिन यह भी सच है कि देश में बड़े कर्ज, उनकी वसूली और दिवाला समाधान को लेकर लंबे समय से बहस होती रही है। बैंकों द्वारा कर्ज देते समय ऋण चुकाने की क्षमता और जोखिम का सही आकलन कितना किया गया, यह भी महत्वपूर्ण सवाल है।

अब देखना यह होगा कि संसद और नियामक संस्थाएं बड़े कर्ज के ऐसे मामलों में जवाबदेही और पारदर्शिता को किस तरह मजबूत करती हैं या फिर यह बहस आगे भी इसी तरह जारी रहती है कि आम आदमी छोटे से कर्ज के लिए बैंक के चक्कर लगाता रहे, जबकि बड़े कारोबारी हजारों करोड़ रुपये की देनदारी के समाधान के लिए दिवाला प्रक्रिया का सहारा लेते रहें।

कड़वी सच्चाई : आम आदमी के लिए कर्ज की राह अब भी मुश्किल

आम आदमी के कर्ज की हकीकत यह है कि वह 100 रुपये के कर्ज पर 50 रुपये ब्याज चुका चुका हो, लेकिन इसके बाद यदि उसका 50 पैसा भी बाकी रह जाता है तो उसे नोटिस भेजा जाने लगता है और उसका ऋण इतिहास तथा साख प्रभावित हो सकती है। कर्ज चुका न पाना निश्चित रूप से अच्छी बात नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि आम आदमी के लिए यह 'पाप' और बड़े कारोबारी के लिए यह मामूली बात क्यों हो जाती है?

यही सवाल बड़े कर्जों के निपटारे की प्रक्रिया को लेकर आम लोगों के मन में सबसे ज्यादा उठता है। दिवाला कानून का उद्देश्य कारोबार और ऋण व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से समाधान देना है, लेकिन जब किसी मामले में कर्ज की बहुत बड़ी राशि की तुलना में बेहद कम रकम की वसूली होती दिखाई देती है, तो उसकी प्रक्रिया, जवाबदेही और बैंकिंग व्यवस्था पर प्रभाव को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मेरठ से ...

उन्होंने राइफल शूटिंग कोच खान पर अपने पति जगदीश रेड्डी की हत्या करने का आरोप भी लगाया। सौजन्या के माता-पिता ने भी अपने-अपने नोट में सादिक खान को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। नूकराजू ने कथित तौर पर अपना नोट व्हाट्सऐप के जरिए एक इंजीनियर्स ग्रुप में भेजा था, जिसमें उन्होंने काकीनाडा के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जगदीश की मौत के बाद सादिक खान उनकी बेटी की जिंदगी में आया था। पहले उसने मदद करने की बात कही थी।

नूकराजू ने अपने कथित सुसाइड नोट में आरोप लगाया कि बाद में सादिक खान ने उनकी बेटी सौजन्या, उनके बेटे और खुद उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खान ने परिवार के कीमती सामान और बैंक खातों पर कब्जा कर लिया था।

इन आरोपों की पुलिस अब अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि परिवार पर वास्तव में किस तरह का दबाव बनाया गया था। सौजन्या की मां मीना ने भी अपने नोट में सादिक खान को लेकर कई आरोप लगाए। उन्होंने कथित तौर पर लिखा कि उन्हें अपनी बेटी और नाती के भविष्य की चिंता थी। साथ ही उन्होंने अपने पति की खराब सेहत का भी जिक्र किया।

मीना ने खान को कथित तौर पर बेरहम बताया और कहा कि परिवार उसके दबाव का सामना नहीं कर पा रहा था।

मीना ने यह भी आरोप लगाया कि खान उनकी बेटी और नाती को 'बेचने' की बात करता था। उन्होंने कथित तौर पर एक फोन बातचीत सुनने का दावा किया, जिसमें खान परिवार की पूरी संपत्ति हासिल करने की बात कर रहा था। आरोप के मुताबिक, यह संपत्ति सौजन्या के नाम स्थानांतरित होने के बाद हासिल करने की योजना थी। हालांकि, इन सभी आरोपों की सच्चाई जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

जगदीश रेड्डी की जुलाई में हुई मौत भी जांच के दायरे में

इस मामले में पुलिस की जांच सिर्फ आत्महत्या तक सीमित नहीं है। पुलिस अब सौजन्या के पति जगदीश रेड्डी की जुलाई में हुई मौत की भी जांच कर रही है। सौजन्या ने सादिक खान पर आरोप लगाया था कि उसने कथित तौर पर रासायनिक जहर देकर जगदीश की हत्या की थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जगदीश की मौत में सादिक खान की कोई भूमिका थी या नहीं। तमाम आरोपों के मद्देनजर पुलिस सभी के मोबाइल फोन, कॉल विवरण रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, चिकित्सकीय रिकॉर्ड और बैंक लेन-देन की जांच कर रही है। डिजिटल सबूतों के जरिए घटनाओं की पूरी कड़ी जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

विशेष जांच दल ने मेरठ से सादिक खान को किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल यानी एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी को जांच के दौरान पता चला कि सादिक खान उत्तर प्रदेश के मेरठ में है। इसके बाद एक विशेष पुलिस टीम मेरठ पहुंची और उत्तर प्रदेश पुलिस की मदद से 22 अगस्त को नौचंदी पुलिस थाने के पास से सादिक खान को गिरफ्तार कर लिया।मेरठ की अदालत में आंध्र प्रदेश पुलिस ने सादिक खान को अपने साथ ले जाने के लिए ट्रांजिट वारंट हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपी को काकीनाडा लाया गया। उसे काकीनाडा विशेष मोबाइल न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े सभी आरोपों की कड़ियां जोड़ने की कोशिश कर रही है।पुलिस खास तौर पर इस बात की जांच कर रही है कि क्या खान का जगदीश रेड्डी की मौत से कोई संबंध था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सौजन्या और उनके माता-पिता ने सुसाइड नोट में जो आरोप लगाए, उनके पीछे कोई ठोस सबूत मौजूद है या नहीं।पुलिस बैंक रिकॉर्ड, कॉल विवरण, मोबाइल डेटा, सीसीटीवी और चिकित्सकीय दस्तावेजों को आपस में जोड़कर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।अब इस मामले में पुलिस के सामने कई सवाल हैं। मसलनक्या जगदीश रेड्डी की मौत वाकई जहर देने से हुई थी? क्या सादिक खान का उसमें कोई हाथ था? क्या परिवार को धमकाया जा रहा था? इसके अलावा बैंक खातों और संपत्ति को लेकर लगाए गए आरोपों की भी जांच हो रही है।डिजिटल और फोरेंसिक सबूतों के आधार पर पुलिस इस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ रही है। जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा कि आंध्र प्रदेश से मेरठ तक फैली इस कहानी में असल साजिश क्या थी।

नगर निगमों ...

दिसंबर में नगर निगम चुनावों के दूसरे चरण की अधिसूचना की उम्मीद में कांग्रेस नेताओं ने कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को ज़मीनी स्तर पर तैयारियां शुरू करने को कहा है। सरकार द्वारा नवंबर का महीना चुनाव तैयारियों के लिए इस्तेमाल किए जाने की उम्मीद है।

पुनर्गठन और कानूनी कारणों से टले थे चुनाव

जिन 116 नगर पालिकाओं और 7 नगर निगमों का कार्यकाल समाप्त हो चुका था, उनके चुनाव इसी साल फरवरी में कराए गए थे। हालांकि, ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) को इसमें शामिल नहीं किया गया था क्योंकि इसके निर्वाचित निकाय का कार्यकाल बचा हुआ था। वारंगल और खम्मम निगमों के चुनाव भी आयोजित नहीं किए गए थे। वहीं कार्यकाल लंबित होने, अदालती मामलों और अन्य कारणों के संयोजन से मनुगुरु, मंदमरी, अच्चमपेट, नकरेकल, कोथूर और सिद्दीपेट नगर पालिकाओं में चुनाव स्थगित कर दिए गए थे।

कांग्रेस सरकार द्वारा जीएचएमसी को तीन निगमों – हैदराबाद, साइबराबाद और मलकजगिरि में पुनर्गठित किया गया है। इस पुनर्गठन और एसआईआर अभ्यास के कारण चुनावों में और देरी हुई है। हालांकि, राज्य सरकार देरी के वित्तीय परिणामों को लेकर सतर्क है। पंचायत चुनावों में देरी से ग्रामीण स्थानीय निकायों को पहले ही धन की कमी का सामना करना पड़ा है और सरकार नहीं चाहती कि शहरी निकाय, विशेषकर हैदराबाद के निकाय, ऐसी ही स्थिति का सामना करें।सरकार इसके साथ ही ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के अगले दौर की भी तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद और मेडचल को छोड़कर 31 जिला परिषदों और 565 मंडल परिषदों के चुनाव नगर निगम चुनावों के बाद एक ही चरण में कराए जा सकते हैं। सरकार पंचायत चुनावों के लिए अपनाए गए पैटर्न का पालन करने और पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किए बिना आगे बढ़ने पर भी विचार कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को इसी तर्ज पर परिषद चुनावों की तैयारी करने को कहा है।

एनडीए...

पंजाब में इंडिया गठबंधन को 25 प्रतिशत और एनडीए को 16 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। सीटों के लिहाज से इंडिया गठबंधन को 11 सीटें, जबकि एनडीए को 1 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है।

मोदी के कामकाज से 51 प्रतिशत लोग संतुष्ट

सर्वे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज, एनडीए सरकार के प्रदर्शन और कई महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों पर जनता की राय सामने आई है। सर्वे के नतीजे सत्ताधारी गठबंधन के प्रति जनता के मौजूदा मिजाज और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाते हैं। अगस्त 2026 के सर्वे में जब लोगों से प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के कामकाज के बारे में पूछा गया तो 51 प्रतिशत ने इसे अच्छा बताया। 17 प्रतिशत ने इसे औसत करार दिया, जबकि 27 प्रतिशत लोगों ने इसे खराब माना। ये आंकड़े मोदी के व्यक्तिगत प्रदर्शन को लेकर अभी भी बहुमत का समर्थन दिखाते हैं।

एनडीए के समग्र प्रदर्शन पर संतुष्टि का रुझान भी सर्वे में दर्ज किया गया। जनवरी 2023 में 56 प्रतिशत लोग एनडीए से संतुष्ट थे, जो अगस्त 2023 में 58 प्रतिशत और अगस्त 2024 में बढ़कर 62 प्रतिशत हो गया। इसके बाद गिरावट दर्ज हुई और अगस्त 2025 तथा जनवरी 2026 में यह 52 प्रतिशत पर आ गया। अगस्त 2026 में संतुष्टि का आंकड़ा और घटकर 50 प्रतिशत रह गया, जबकि असंतुष्टों की संख्या 29 प्रतिशत पहुंच गई।

राजनीतिक स्थिरता को सबसे बड़ी उपलब्धि मानने वाले 13 प्रतिशत

एनडीए सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है, इस सवाल पर 13 प्रतिशत लोगों ने राजनीतिक स्थिरता को चुना। राम मंदिर और बुनियादी ढांचे के विकास को 11-11 प्रतिशत लोगों ने सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

दल-बदल विरोधी कानून को और मजबूत किए जाने के मुद्दे पर भारी बहुमत सामने आया। 65 प्रतिशत लोगों ने कहा कि दल-बदल विरोधी कानून और मजबूत होना चाहिए, जबकि केवल 14 प्रतिशत ने इसका विरोध किया।राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के राजनीतिक असर को लेकर भी राय ली गई। 47 प्रतिशत लोगों का मानना था कि इसका केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर नकारात्मक असर पड़ा है। 8 प्रतिशत ने केवल केंद्र सरकार पर असर बताया, 7 प्रतिशत ने राज्य सरकार पर असर माना, जबकि 20 प्रतिशत का कहना था कि इसका कोई बड़ा राजनीतिक असर नहीं है और यह स्थानीय प्रशासनिक मुद्दा है।

पीएम मोदी ...

यानी करीब आधे लोगों ने मोदी के पक्ष में राय दी। मोदी के बाद राहुल गांधी दूसरे नंबर पर रहे। उन्हें 27 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला।

वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 9 प्रतिशत समर्थन के साथ तीसरे नंबर पर रहे। उनका नाम प्रधानमंत्री पद की पसंद में तीसरे स्थान पर आना खासा चौंकाने वाला है।आंकड़ों पर नजर डालें तो नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच पसंद के मामले में 22 प्रतिशत का बड़ा अंतर है। मोदी को जहां 49 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया, वहीं राहुल गांधी को 27 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। विजय को 9 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री पद के लिए पसंद किया। इससे साफ है कि राष्ट्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बाद विजय भी जनता के बीच अपनी पहचान बना रहे हैं।मूड ऑफ द नेशन सर्वे के आंकड़ों में प्रधानमंत्री पद की पसंद को लेकर तस्वीर साफ दिखाई देती है। नरेंद्र मोदी 49 प्रतिशत समर्थन के साथ सबसे आगे हैं। राहुल गांधी 27 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, सी. जोसेफ विजय 9 प्रतिशत समर्थन के साथ तीसरी पसंद बने हैं। तीसरे नंबर पर विजय का आना इस सर्वे का सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा माना जा रहा है।

नेपाल ...

नेपाल के विदेश मंत्रालय को चीन से मिली ताजा जानकारी, सैटेलाइट तस्वीरों और शुरुआती विश्लेषण से पता चलता है कि जिस स्थान पर बुधवार को बाढ़ आई थी, वहां नदी का बहाव रुकने से एक झील बन गई है। नोटिस में कहा गया है कि यह झील लगातार बढ़ रही है और इसके टूटने का भी खतरा है। इस स्थिति को देखते हुए अगले आदेश तक भोटेकोशी नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों, यात्रियों, बचाव कार्य में लगे कर्मियों और सभी संबंधित लोगों से विशेष सावधानी बरतने तथा नदी के किनारों और अन्य जोखिम वाले इलाकों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने भी यही चेतावनी दी है। अधिकारियों ने कहा है कि भोटेकोशी नदी के उद्गम स्थल के पास एक नई झील बनने के बाद नदी के निचले इलाकों में बाढ़ का नया खतरा पैदा हो गया है। चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ दिनों में यह झील टूट सकती है।

नेपाल के जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि उसे चीनी पक्ष से नेपाल-चीन सीमा के पास नदी के अवरुद्ध होने वाली जगह पर एक झील बनने की जानकारी मिली है।

चीनी अधिकारियों का अनुमान है कि गुरुवार सुबह तक झील में करीब 20 लाख घन मीटर पानी जमा हो गया था, जबकि अगले तीन दिनों में इसमें और 30 लाख घन मीटर पानी आ सकता है। इससे झील के टूटने की आशंका और बढ़ गई है।

दो नदियों के संगम पर बनी मौत की झील

नेपाल में छोचेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास यह झील बनी है। ये दोनों नदियां तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में बहती हैं, जहां ये भोटेकोशी नदी तंत्र का हिस्सा बनती हैं।

यह घटना मध्य नेपाल में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ के एक दिन बाद हुई है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

नेपाल के जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने चेतावनी दी है कि भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्रों में एक और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। विभाग ने लोगों से नदियों से दूर रहने और अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

विभाग ने भोटेकोशी नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से भी एहतियाती उपाय करने और नदी के किनारों से दूर रहने को कहा है।

संभावित खतरे को देखते हुए यात्रियों, सुरक्षा कर्मियों और खोज एवं बचाव कार्यों में शामिल लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

चीनी अधिकारी झील पर लगातार नजर रख रहे हैं और बाढ़ के संभावित प्रभावों का आकलन करने के लिए बाढ़ अनुकरण तथा जोखिम का मूल्यांकन कर रहे हैं। इसका उद्देश्य झील के टूटने से होने वाले संभावित परिणामों का पता लगाना और आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारी करना है।

भागवत...

एचएएफ ने कार्यक्रम के दौरान किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों या संबंधित एजेंसियों को देने की सलाह दी है। आपात स्थिति में 911 पर कॉल करने को भी कहा गया है।

ममदानी समेत कई संगठनों ने किया विरोध

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने कहा था, मैं इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता। मैं बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं। मेरे पास इस कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार नहीं है, इसलिए कार्यक्रम को रद्द नहीं किया जा सकता। विरोध करने वाले संगठनों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क समेत कई अंतरधार्मिक और नागरिक अधिकार संगठन शामिल हैं।

ममदानी भारतीय मूल की फिल्मकार मीरा नायर और युगांडा के अकादमिक महमूद ममदानी के बेटे हैं। उन्होंने जनवरी में न्यूयॉर्क शहर के मेयर का पद संभाला था। मैडिसन स्क्वायर गार्डन में यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर इंगेजमेंट एंड डायलॉग यानी एहेड फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में मोहन भागवत का संबोधन भी होगा।

यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी और अलग-अलग धर्मों तथा समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में करीब 5 हजार लोग शामिल हो सकते हैं।

अमेरिकी आयोग ने आरएसएस पर प्रतिबंध की मांग की थी

भागवत के अमेरिका दौरे से पहले अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस नेताओं को राजनयिक सुविधाएं न देने और आधिकारिक मुलाकात से बचने को भी कहा था।

भारत ने यूएससीआईआरएफ की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे 'पक्षपाती संस्था' बताते हुए कहा कि आयोग लंबे समय से भारत को लेकर गलत और भड़काऊ बयान देता रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

मिधानि में उद्योगों में सतर्कता प्रशासन पर कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन मिनीरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशानुसार सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय के साथ दिनांक 17.08.2026 से 16.11.2026 तक तीन माह का सतर्कता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत उद्योगों में सतर्कता प्रशासन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 27.08.2026 को डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि के संयोजन में किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में श्री अजय कुमार वर्मा, आईडीएसई, निदेशक, सीवीसी; श्री पी. कृष्ण कुमार, आईटीएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ईसीआईएल; श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, आईआरएसएसई, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी; श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त); श्री पी बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन); श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा ईसीआईएल, एनएमडीसी एवं बीडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और मिधानि के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि द्रारा कर्मचारी आंतरिक शिकायत निवारण प्रणाली हेतु ई-प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला के दौरान 2026 में जारी सीवीसी मैनुअल के नवीनतम संस्करण एवं संबंधित मास्टर परिपत्रों में किए गए परिवर्तन तथा विभिन्न संगठनों द्रारा किए गए प्रभावी सतर्कता कार्य विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आर्य समाज सुलतान बाजार का 134वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का यजुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ समापन भजनों और वैदिक विचारों से भक्तिमय हुआ वातावरण

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य समाज सुलतान बाजार में 21 अगस्त से आयोजित श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का समापन यजुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ हुआ। पूर्णाहुति का आयोजन ब्रह्मा निर्मला योग भारती के ब्रह्मत्व में ऋत्विक डॉ. मैत्रेयी शास्त्री, श्रीमती स्फूर्ति शास्त्री तथा आचार्य मिथिलेश शास्त्री के सहयोग से विधिवत संपन्न हुआ।पूर्णाहुति के पश्चात आर्य समाज सुलतान बाजार का 134वां वार्षिकोत्सव बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। मेरठ से पधारे प्रसिद्ध भजनोपदेशक पंडित भूपेंद्र आर्य ने अपने मधुर भजनों एवं प्रेरणादायक विचारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। तबले पर कृष्ण पाल आर्य ने सुंदर संगति प्रदान की। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।नोएडा से पधारे आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार ने दान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने दान की उपयोगिता एवं सामाजिक-धार्मिक महत्व को समझाते हुए समाज तथा धार्मिक संस्थाओं के प्रति सहयोग की भावना विकसित करने का आह्वान किया।आर्य समाज सुलतान बाजार द्वारा इस वर्ष अपने निष्ठावान सदस्य काशी राम को विशेष रूप से सम्मानित एवं स्वागत किया गया। काशी राम पिछले लगभग 10 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह रविवार को होने वाले सत्संग एवं यज्ञ में नियमित रूप से उपस्थित होते रहे हैं तथा आर्य समाज की गतिविधियों में निरंतर सहयोग देते आ रहे हैं।

अपने संदेश में काशी राम ने उपस्थित सभी लोगों से विनम्र आग्रह किया कि सप्ताह में मिलने वाली छुट्टी में से कम से कम एक घंटा आर्य समाज के लिए निकालकर यज्ञ एवं सत्संग में अवश्य सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि यज्ञ में सम्मिलित होकर परमपिता परमात्मा का ध्यान करें तथा वेदों की आज्ञाओं का पालन करते हुए अपने जीवन को श्रेष्ठ एवं संस्कारवान बनाने का प्रयास करें।आर्य समाज सुलतान बाजार के पदाधिकारियों ने 134वें वार्षिकोत्सव की सभी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने वैदिक परंपराओं एवं समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

समारोह में रामचंद्र राजू, धर्मपाल आर्य परिवार, अशोक कुमार, डॉ. मैत्रेयी परिवार, सुशील कुमार अन्ने, पृथ्वी एवं सैदाबाद समाज, आचार्य स्फूर्ति परिवार, शिवाजी, सत्यपाल आर्य, श्रुतिकांत भारती, डेनी कुमार आजाद, प्रदीप दत्त, संगीता आर्य, विद्या, राजेश्वर आर्य, गार्गी, डॉ. प्रतापरुद्र, भगतसिंह आर्य, मधुराम, नरेंद्र आर्य, प्रदीप जाजू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने ऋषि लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस समारोह के साथ श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सेवा कार्य समाज के लिए अनुकरणीय पहल : रविंद्र शर्मा

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से चलाए जा रहे सेवा कार्यों के अंतर्गत जरूरतमंदों एवं असहाय लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता की भावना से जुड़े विभिन्न विषयों पर उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रविंद्र शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल है। आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त हैं, ऐसे समय में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर भोजन की व्यवस्था करना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करना अपने आप में बहुत बड़ी सेवा है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल किसी व्यक्ति की आवश्यकता पूरी करने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता को मजबूत करने का सबसे प्रभावी रास्ता है। राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा और सहयोग की भावना को नई दिशा दे रहे हैं। इस प्रकार के कार्यों से समाज के संपन्न वर्ग को भी प्रेरणा मिलती है कि वे जरूरतमंदों के लिए आगे आएं और अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करें।

रविंद्र शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता इसकी निरंतरता है। किसी विशेष अवसर या पर्व तक सीमित न रहकर नियमित रूप से सेवा कार्य करना वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हम सभी लोगों को राधे-राधे ग्रुप की इस सेवा यात्रा में अपना सहयोग देना चाहिए, ताकि यह सेवा और अधिक लोगों तक पहुंच सके और जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिलती रहे।

उन्होंने आगे कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ सेवाओं में माना गया है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसके पेट की भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके जीवन में सम्मान और अपनत्व का भाव पैदा करना भी है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है और समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा से जोड़ने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, रविंद्र शर्मा एवं भाकर राम कुमावत सहित अनेक सेवा सहयोगी उपस्थित रहे।

सूत्रधार संस्था की 81वीं मासिक गोष्ठी में हरिशंकर परसाई के रचना-संसार पर चर्चा

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद की 81वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी में प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के साहित्य एवं रचना-संसार पर परिचर्चा के साथ काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए संस्था की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। शुभ्रा मोहन्तो की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

प्रथम सत्र में सरिता सुराणा ने हरिशंकर परसाई को व्यंग्य का पुरोधा बताते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं और सामाजिक विसंगतियों के विरुद्ध उनके साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परसाई को विकलांग श्रद्धा का दौर व्यंग्य संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था। परिचर्चा में गजानन पाण्डेय और आर्या झा ने भी विचार रखे।

द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी हुई, जिसमें रचनाकारों ने सावन, भगवान शिव और देशभक्ति पर आधारित रचनाओं का सस्वर पाठ किया। हर्षलता दुधोड़िया ने सावन गीत, रिमझिम झा ने शिव स्तुति तथा शुभ्रा मोहन्तो ने हारमोनियम के साथ मल्हार राग में सावन गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। श्रीया धपोला, नवल किशोर अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, अमिता श्रीवास्तव, गजानन पाण्डेय, बिनोद गिरि अनोखा, अजय कुमार सिन्हा, चन्द्रप्रकाश दायमा और आर्या झा ने भी विविध रचनाएं प्रस्तुत कीं।

अध्यक्षीय टिप्पणी में सरिता सुराणा ने सभी रचनाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए अपनी रचनाएं सुनाईं तथा गयाप्रसाद शुक्ल ङ्कसनेहीफ की रचना स्वदेश का पाठ किया। आर्या झा ने काव्य गोष्ठी का संचालन किया, जबकि श्रीया धपोला ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सुहास भटनागर की भी उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना के चुनाव शीघ्र

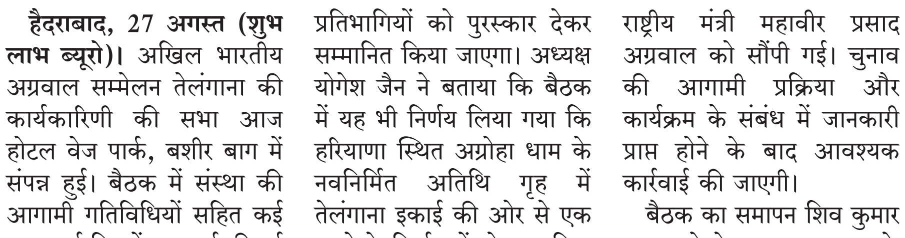

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी की सभा आज होटल वेज पार्क, बशीर बाग में संपन्न हुई। बैठक में संस्था की आगामी गतिविधियों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और विभिन्न निर्णय लिए गए। सभा में निर्णय लिया गया कि संस्था के सदस्यों के लिए आगामी रविवार, 13 सितंबर को सीरीन रिजॉर्ट, पेड्डा शाहपुर में वन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान महिला समिति द्वारा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि हरियाणा स्थित अग्रोहा धाम के नवनिर्मित अतिथि गृह में तेलंगाना इकाई की ओर से एक कमरे के निर्माण में योगदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्था सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के साथ-साथ समाज के विकास से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। बैठक में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना के चुनाव कराने का भी निर्णय लिया गया। चुनाव की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी केंद्र से प्राप्त करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल को सौंपी गई। चुनाव की आगामी प्रक्रिया और कार्यक्रम के संबंध में जानकारी प्राप्त होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक का समापन शिव कुमार भालवाले के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर योगेश जैन, शशिकांत अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, शिवकुमार भालवाले, अलका मिंडा, शीनू बंसल, मोनिका अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, नवल बंसल, राज कुमार अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

प. पू. रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला के लिए भूमि खरीदने के उद्देश्य से शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के निदेशक गौतमकुमार मिठालालजी सेहलोत ने 5 लाख रुपये की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया।इस अवसर पर गौशाला की ओर से उपाध्यक्ष अशोक पटेल, घनश्याम पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान ने चेक प्राप्त किया। गौशाला पदाधिकारियों ने सहयोग के लिए गौतमकुमार सेहलोत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से गौसेवा के कार्यों को और मजबूती मिलेगी।

राजस्थानी जागृति समिति की भागवत कथा के संदर्भ में बैठक 30 को

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन गुरुवार, 1 अक्टूबर से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक किया जाएगा। कथा का आयोजन साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एनएम गुडा चौरस्ता, अत्तापुर, हैदराबाद में होगा।

श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से समिति की ओर से एक विशेष बैठक रविवार, 30 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर, एनएम गुडा चौरस्ता, अत्तापुर में आयोजित की जाएगी। समिति ने धार्मिक आस्था रखने वाले महिला-पुरुषों तथा विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल होने का आह्वान किया है।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि बैठक में उपस्थित लोगों के सुझावों से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन और अधिक चारुरूप एवं सफल बनाया जा सकेगा।

श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि परिवार के साथ श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से अनेक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होते हैं। श्रीमद्भागवत कथा को पितरों को मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताया गया है। उन्होंने समाजबंधुओं से आग्रह किया कि जहां समाज की ओर से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो, वहां छोटे-बड़े सभी परिवार अपने पितरों की मोक्ष प्राप्ति के निमित्त कथा में सम्मिलित हों।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालु अपने परिवार के पितरों की फोटो लगाकर मूल पाठ के लिए पंडित की व्यवस्था तथा संपूर्ण विधि-विधान के साथ आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। साथ ही अपने परिवार और संबंधियों को भी कथा श्रवण के लिए आमंत्रित करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सभी के आगमन से पितरों को प्रसन्नता होती है तथा उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इससे परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आती है तथा मांगलिक कार्यक्रमों एवं परिवार में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

समिति अध्यक्ष ने समाजबंधुओं से आग्रह किया कि पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने पितरों के निमित्त श्रीमद्भागवत कथा में अपने पितरों के नाम एवं फोटो सहित जानकारी समिति अध्यक्ष के पास लिखवाएं। उन्होंने धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से यह भी निवेदन किया कि वे पितृपक्ष मास में अपने पितरों के निमित्त श्रीमद्भागवत कथा में दैनिक यजमान बनें तथा किसी भी रूप में तन, मन और धन से सहयोग कर पुण्य के सहभागी बनें।

श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में कलश यात्रा का विशेष महत्व रहता है। महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर मंगलाचरण करते हुए कथा स्थल तक जाती हैं और कलश को व्यास पीठ के पास स्थापित करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सुहागन महिलाओं द्वारा कलश धारण करने से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा परिवार का कल्याण होता है।

उन्होंने बताया कि कलश यात्रा में जिन महिलाओं एवं बहनों की कलश धारण करने की इच्छा है, वे समिति अध्यक्ष के पास अपना नाम पंजीकृत करा सकती हैं।

पंजीकरण कराने वाली महिलाओं के लिए समिति की ओर से कलश की व्यवस्था की जाएगी। कलश यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 सितंबर निर्धारित की गई है।

समिति अध्यक्ष ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने आने वाले समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन शाम की आरती के पश्चात भोजन की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया कि पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने परिवार एवं पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में सहयोग कर पुण्य के भागीदार बनें।

उन्होंने कहा कि सभी समाजबंधु अपने परिवार, संबंधियों एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में श्रीमद्भागवत कथा में उपस्थित होकर कथा श्रवण करें और पुण्य के सहभागी बनें।

कार्यक्रम एवं पंजीकरण से संबंधित अन्य जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी से संपर्क किया जा सकता है।

मिठाई या सेहत का सौदा ?

मिठास के नाम पर जहर! मिठाइयों में सिंथेटिक रंग का खेल, एसओटी का शिकंजा

मिठाई में मिलावट का खेल उजागर, एसओटी की छापेमारी में संदिग्ध सामग्री बरामद

ओम प्रकाश सिरवी

मेड़चल-मल्काजगिरी, 27 अगस्त ।

मिठास के नाम पर लोगों की सेहत के साथ कथित खिलवाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। मिठाई केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि हमारी खुशियों और भावनाओं का हिस्सा है। त्योहार हो, शादी हो, जन्मदिन हो या कोई शुभ अवसर मिठाई खरीदने और खिलाने की परंपरा हमारे समाज में गहराई से जुड़ी है। इसे खरीदने वाला भी पूरे भरोसे और चाव से खरीदता है और खाने वाला भी बड़े आनंद से उसका स्वाद लेता है।

लेकिन जब इसी मिठाई में मिलावट, घटिया सामग्री या स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक रंगों का इस्तेमाल होने की बात सामने आती है, तो यह सिर्फ खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता का सवाल नहीं रह जाता। यह उस भरोसे पर चोट है, जिसके साथ कोई व्यक्ति अपने परिवार और प्रियजनों के लिए मिठाई खरीदता है। मिठाई की असली पहचान उसकी चमक या रंग नहीं, बल्कि उसकी शुद्धता, स्वाद और भरोसा है।

पोचारम आइटी कॉरिडोर थाना क्षेत्र के चौधरीगुड़ा स्थित बालाजी पवन स्वीट हाउस पर साइबराबाद पुलिस की एसओटी टीम ने छापेमारी कर मिठाई कारोबार के भीतर चल रहे कथित मिलावट के खेल पर शिकंजा कसा। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में मिठाइयां और खाद्य सामग्री बरामद की गई, जिनमें सिंथेटिक रंगों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है।

ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए मिठाइयों को चमकदार और रंगीन बनाने का खेल अब सवालों के घेरे में है। पुलिस जांच के अनुसार, यहां सिंथेटिक ऑरेंज और लेमन-येलो जैसे रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा था। यानी मिठाई की खूबसूरती बढ़ाने के लिए उसकी गुणवत्ता और ग्राहक की सेहत को कथित तौर पर ताक पर रखने का आरोप है। मामला सामने आने के बाद खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

छापेमारी में करीब 30 किलो संदिग्ध कलाकंद जब्त किया गया। इसके अलावा 12 किलो सोन पापड़ी, 2 किलो खोवा और करीब 500 ग्राम ड्राई फ्रूट भी पुलिस के कब्जे में लिया गया। दुकान से विभिन्न फ्लेवर, गुलाब जल, शुगर सिरप समेत अन्य खाद्य सामग्री भी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि मिठाइयों की तैयारी में एक्सपायरी खाद्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मिठाई खरीदने वाला ग्राहक आम तौर पर उसकी चमक, खुशबू और स्वाद देखकर उसकी गुणवत्ता पर भरोसा करता है। लेकिन यदि जांच में लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं, तो यह सिर्फ मिलावट का मामला नहीं, बल्कि उस भरोसे के साथ भी खिलवाड़ है जिसके आधार पर परिवार मिठाई खरीदकर अपने बच्चों और परिजनों को खिलाते हैं।

कार्रवाई के बाद राजस्थान निवासी स्वीट हाउस के मैनेजर कुनाल कुडकुडिया (उम्र 37 वर्ष) को पुलिस ने हिरासत में लिया। पोचारम आइटी कॉरिडोर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि संदिग्ध रंग और खाद्य सामग्री कहां से लाई जा रही थी, कितने समय से इनका इस्तेमाल हो रहा था और ऐसी मिठाइयां कितने ग्राहकों तक पहुंचाई जा चुकी हैं।

यह कार्रवाई एक दुकान तक सीमित मामला मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। त्योहारों, शादी-ब्याह और अन्य समारोहों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य पदार्थों में मिलावट या प्रतिबंधित अनुचित रंगों के इस्तेमाल की आशंका सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ जाती है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है ? क्या बालाजी स्वीट हाउस में चल रहा कथित मिलावट का खेल केवल एक दुकान तक सीमित था या इसके पीछे कोई बड़ा सप्लाई नेटवर्क भी सक्रिय है ? जब्त सामग्री के नमूनों की जांच और पुलिस की आगे की कार्रवाई से तस्वीर साफ होगी।

मिठाई बाहर से कितनी भी रंगीन और आकर्षक क्यों न दिखाई दे, उसकी असली मिठास उसकी शुद्धता में होती है। यदि रंग और एक्सपायरी सामग्री के सहारे ग्राहक को आकर्षित करने का आरोप सच साबित होता है, तो यह मिठास नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ बेहद गंभीर खिलवाड़ है।

एसआईआर मतदाता नोटिस

अनभिज्ञ मतदाता और नोटिस प्राप्ति में देरी से बढ़ीं मुश्किलें

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा उन मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने के बाद भी, जिनके विवरण में विसंगतियां हैं या जो अनमैप्ड हैं, कई मतदाता इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। उनका कहना है कि उन्हें कोई भौतिक (फिजिकल) नोटिस नहीं मिला है। हालांकि कुछ मतदाता यह जांचने के लिए ऑनलाइन जा रहे हैं कि क्या उनके नाम पर नोटिस जारी किया गया है, लेकिन वे इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि आगे क्या करना है। कुछ मामलों में नोटिस का कारण नहीं बताया गया है, जबकि अन्य मामलों में मतदाताओं का कहना है कि उनके नाम या उम्र में विसंगतियों के संबंध में वे बहुत कम कदम उठा सकते हैं।

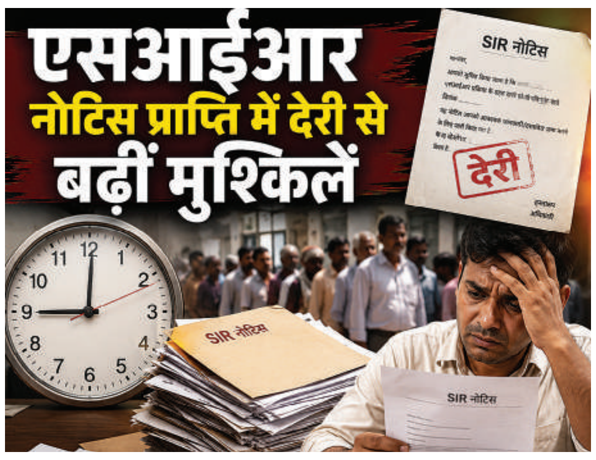

शेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदाता ने कहा, 'उत्सुकतावश मैंने ऑनलाइन जांच की, तो पाया कि मेरे नाम पर एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें कोई कारण दर्ज नहीं था। मुझे सबसे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर हुआ कि मेरी सुनवाई की तारीख 31 अगस्त थी, लेकिन मुझे भौतिक नोटिस, एसएमएस या ईमेल के रूप में कोई सूचना नहीं मिली थी। शुक्रवार को रक्षाबंधन और उसके बाद सप्ताहांत होने के कारण, मुझे नहीं पता कि सोमवार को होने वाली सुनवाई में शामिल होने के लिए मुझे समय पर नोटिस मिल पाता या नहीं।उन्होंने आगे कहा कि हालांकि सुनवाई की तारीख ऑनलाइन उपलब्ध थी, लेकिन समय का उल्लेख नहीं किया गया था।

गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदाता मलिक ने कहा, ''मैंने ऑनलाइन नोटिस चेक करने के तरीके पर एक वीडियो देखा और बस उन चरणों का पालन किया। अगर मैंने वह वीडियो न देखा होता, तो मैं आज भी जांच नहीं करता। मैं देख सकता था कि दो विसंगतियां हैं 0मेरे नाम में एक विसंगति है और एक फ्लैग लगा है जिसमें कहा गया है कि मेरे पिता और मेरे बीच उम्र का अंतर 15 वर्ष से कम है, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है।'' उन्होंने कहा कि उनकी सुनवाई की तारीख 9 सितंबर है।

कई मतदाताओं ने कहा कि उन्हें नोटिस नहीं मिले हैं और वे नहीं जानते कि उनके वोट सही हैं या उनके नाम विसंगतियों की सूची में शामिल हैं।

14,000 नोटिस जारी, 28 अगस्त से शुरू होंगी सुनवाई

अधिकारियों के अनुसार, 50% से अधिक नोटिस नाम और जन्म तिथि में बेमेल (मिसमैच) जैसी मामूली विसंगतियों के लिए जारी किए गए हैं।राजेंद्रनगर के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) एस. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, ''हमने अब तक 14,000 नोटिस जारी किए हैं। सुनवाई 28 अगस्त से शुरू होगी। अन्य नोटिसों को प्रिंट करके वितरित किया जाना है।'' उन्होंने कहा कि बीएलओ को अग्रिम रूप से नोटिस जारी करने और उन्हें तामील करने के बाद एक पावती (एक्नॉलेजमेंट) जमा करने का निर्देश दिया गया है ताकि मतदाताओं की सुनवाई न छूटे।श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि अधिकांश विसंगतियां नामों और उम्र में त्रुटियों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, इसी तरह, नोटिस उन लोगों को भी भेजे जा रहे हैं जो अनमैप्ड हैं, तथा माता-पिता के साथ जिनकी उम्र का अंतर 15 वर्ष से कम है। अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में सुनवाई अगले एक या दो दिनों में शुरू होने वाली है। हालांकि, कुछ अधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि 28 अगस्त को सुनवाई शुरू की जाए या नहीं, क्योंकि उस दिन रक्षाबंधन है। नागरिक समाज और सामुदायिक संगठनों के सदस्यों ने सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मांग की है कि चुनाव आयोग नाम और उम्र के मामूली बेमेल होने पर मतदाताओं को नोटिस जारी करना बंद करे।

बिना पहचान सत्यापन के मोबाइल अनलॉक करने वाली दुकानें पुलिस की रडार पर

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): शहर में मोबाइल फोन दुकानें बिना ग्राहकों की पहचान सत्यापित किए उपकरणों को अनलॉक करने के मामले में साइबर अपराध अधिकारियों की जांच के दायरे में आ गई हैं। साइबर क्राइम अधिकारियों द्वारा जारी बार-बार की सलाह के बावजूद कुछ तकनीशियन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, कई मोबाइल रिपेयर दुकानें त्वरित कमाई के चक्कर में फोन अनलॉक कर रही हैं, पैटर्न हटा रही हैं और स्वामित्व साबित करने के लिए ग्राहकों से पहचान पत्र, खरीद रसीद (बिल) या ओरिजिनल डिब्बा मांगे बिना ही सुरक्षा फीचर्स को बायपास कर रही हैं। मोबाइल अनलॉक करने के लिए तकनीशियन 500 रुपये से 700 रुपये तक वसूल रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल लोगों सहित कई व्यक्ति लॉक किए गए उपकरणों को खुलवाने के लिए मोबाइल बाजारों का रुख कर रहे हैं। कई मामलों में चोरी के फोन अनलॉक कराने के लिए दुकानों पर लाए जा रहे हैं। जब पुलिस ऐसे उपकरणों को ट्रैक कर दुकान मालिकों से संपर्क करती है, तो तकनीशियन या तो विवरण सौंप देते हैं या उपकरणों के स्वामित्व के बारे में अनभिज्ञता जताते हैं।

सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि कुछ लोग चोरी के उपकरणों के आईएमईआई (अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान) नंबर से छेड़छाड़ कराने के लिए 3,000 से 3,500 रुपये देकर उन्नत ज्ञान वाले तकनीशियनों से संपर्क कर रहे हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए फोन को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

साइबर पुलिस अधिकारियों ने मोबाइल रिपेयर तकनीशियनों को अनलॉक या मरम्मत सेवाएं प्रदान करने से पहले ग्राहकों की पहचान सत्यापित करने की सलाह दी है। दुकानों को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से आईएमईआई नंबर की जांच करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उपकरण के खोने या चोरी होने की रिपोर्ट तो दर्ज नहीं है।

प्रतिष्ठित मोबाइल रिपेयर सेंटर आमतौर पर सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र, सेवा जॉब शीट तैयार करते हैं और फैक्ट्री रीसेट बायपास या अकाउंट अनलॉकिंग जैसी प्रमुख प्रक्रियाओं को पूरा करने से पहले खरीद चालान या मूल बॉक्स की मांग करते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जानबूझकर अपराधियों को चोरी के उपकरणों तक पहुंच बनाने में मदद करने वाले तकनीशियनों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। साइबर अपराध अधिकारियों ने कहा कि यदि जांच में यह साबित होता है कि चोरी की संपत्ति के अपराधियों ने किसी विशेष दुकान पर बार-बार फोन अनलॉक करवाए हैं, तो दुकान मालिक या तकनीशियन पर आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सहायता करने का मामला दर्ज किया जा सकता है।

इंदिरम्मा इंडलू टावर्स: फ्लैटों का आवंटन लॉटरी ड्रॉ आज से पारदर्शिता के लिए होगी लाइव स्ट्रीमिंग

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):

हैदराबाद में इंदिरम्मा इंडलू टावस योजना के तहत फ्लैटों के आवंटन के लिए लॉटरी का आयोजन 28 से 31 अगस्त तक किया जाएगा। तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड ने घोषणा की है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ड्रॉ प्रक्रिया का सीधा प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) किया जाएगा। हाउसिंग बोर्ड के उपाध्यक्ष वी. पी. गौतम ने बताया कि लॉटरी 16 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी, जिसके तहत प्रत्येक दिन चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए ड्रॉ निकाला जाएगा। स्थान और सुरक्षा सीमाओं के कारण सभी आवेदकों को आयोजन स्थलों के अंदर समायोजित नहीं किया जा सकता है, इसलिए आवेदक संबंधित लॉटरी केंद्रों पर लगाई गई स्क्रीन के माध्यम से कार्यवाही देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त, लॉटरी का सीधा प्रसारण आवास विभाग की वेबसाइट और इसके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर भी किया जाएगा, जिससे आवेदक और जनता दूरस्थ रूप से प्रक्रिया का अवलोकन कर सकेंगे।

इस योजना के लिए आवेदन 15 अगस्त तक स्वीकार किए गए थे। हाउसिंग बोर्ड ने कहा कि सभी आवेदनों की जांच की गई थी तथा अयोग्य पाए गए आवेदकों की आपत्तियों पर विचार कर लॉटरी से पहले उनका समाधान किया गया है।

लॉटरी का कार्यक्रम इस प्रकार है:

28 अगस्त: कुथबुल्लापुर, सिकंदराबाद छावनी (कैंटोनमेंट), राजेंद्रनगर और नामपल्ली।

29 अगस्त: खैराताबाद, कुकटपल्ली, अंबरपेट और बहादुरपुरा।

30 अगस्त: सेरिलिंगमपल्ली, मलकपेट, इब्राहिमपटनम और मेडचल।

31 अगस्त: मलकजगिरि, सनतनगर, महेश्वरम और कारवां।

बिचौलियों से सावधान रहने की अपील

हाउसिंग बोर्ड ने आवेदकों को बिचौलियों और सिफारिशों या भुगतान के माध्यम से फ्लैट दिलाने का झूठा वादा करने वालों से सावधान किया है। वी. पी. गौतम ने स्पष्ट किया कि सिफारिशों या बिचौलियों के लिए कोई गुंजाइश नहीं होगी और आवंटन पूरी तरह से सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

अस्वीकृत आवेदक अगले चरणों में कर सकेंगे आवेदन

हाउसिंग बोर्ड ने कहा कि जो आवेदक पात्रता मापदंडों को पूरा करते हैं, लेकिन वर्तमान लॉटरी में फ्लैट प्राप्त नहीं कर पाते हैं, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जैसे-जैसे नए टावरों का निर्माण होगा, वे आगामी चरणों में आवेदन कर सकते हैं।

वर्तमान परियोजनाओं को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है, और सरकार की योजना इस व्यापक पहल के तहत कुल एक लाख मकानों के निर्माण की है। हाउसिंग बोर्ड ने आवेदकों से आग्रह किया है कि वे ऐसे दावों पर विश्वास न करें कि बिचौलियों के जरिए फ्लैट हासिल किए जा सकते हैं। किसी भी संशय या ऐसी गतिविधियों की जानकारी के लिए समर्पित कॉल सेंटर नंबर 040-24603572 पर संपर्क किया जा सकता है।

सेवा में निष्ठा ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान : शर्मिला अग्रवाल

हैदराबाद, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना निरंतर दिखाई देती है।

इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि सेवा का कार्य आसान नहीं, बल्कि बहुत चुनौतीपूर्ण है। जरूरतमंदों तक नियमित रूप से भोजन पहुंचाना, उनकी आवश्यकताओं को समझना और बिना किसी भेदभाव के सेवा करना अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रहा है। यही भावना इस सेवा अभियान को विशेष बनाती है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, राजेश सर (योग), नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

आसमान छूते प्याज के दाम: हैदराबाद में 100 तक पहुंचे भाव, आपूर्ति सुधारने सरकार ने चलाई कांदा एक्सप्रेस

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो):

भारतीय रसोई का अहम हिस्सा माना जाने वाला प्याज अब आम उपभोक्ताओं के आंसू निकाल रहा है। हैदराबाद में सफेद प्याज की कीमत लगभग 100 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, जबकि लाल प्याज 60 से 70 प्रति किलोग्राम के भाव से बेचा जा रहा है। बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों के लिए प्याज खरीदना मुश्किल हो गया है।

दो महीनों में तीन गुना बढ़े दाम

महज दो महीने पहले तक विक्रेता गाड़ियों के जरिए 100 में 6 किलोग्राम लाल प्याज बेचते थे। 20 प्रति किलोग्राम मिलने वाला लाल प्याज अचानक महंगा हो गया है, जिससे उपभोक्ता अचंभित हैं। बढ़ती दरों को देखते हुए गृहणियों, रेस्तरां और छोटे खाद्य विक्रेताओं ने अपनी दैनिक खपत में कटौती करना शुरू कर दिया है।

महाराष्ट्र में सूखा और फसल खराब होना मुख्य कारण

आमतौर पर तेलंगाना में प्याज की आपूर्ति मुख्य रूप से महाराष्ट्र से होती है। हालांकि, वहां बारिश की कमी और फसल खराब होने के कारण आवक में भारी गिरावट आई है, जिससे कीमतों में यह उछाल दर्ज किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन, मौसम की स्थिति, आपूर्ति-शृंखला में बाधाओं और मांग बढ़ने के कारण अगस्त-सितंबर से प्याज की कीमतों में मौसमी तेजी और अस्थिरता देखी जाती है।

कीमतों पर नियंत्रण के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' की पहल

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने कहा है कि वह बाजार दरों की निरंतर निगरानी कर रही है और बफर स्टॉक से चरणबद्ध तरीके से प्याज बाजार में जारी कर रही है। आपूर्ति में सुधार के लिए रेल मार्ग से थोक परिवहन की 'कांदा एक्सप्रेस' जैसी पहल शुरू की गई है।

वर्ष 2024-25 के दौरान 14 रेलवे रेक के जरिए लगभग 12,000 मीट्रिक टन प्याज 5 शहरों में भेजा गया था। वहीं 2025-26 में इसका विस्तार करते हुए 86 रेक के जरिए 88,000 मीट्रिक टन प्याज 16 प्रमुख शहरों तक पहुंचाया गया। इस वर्ष 24 अगस्त से नासिक से प्रमुख उपभोग केंद्रों के लिए परिवहन शुरू कर दिया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मूल्य वृद्धि और अस्थिरता को रोकने के लिए आवश्यकतानुसार आगे भी कदम उठाए जाएंगे।

भामाशाह चन्द्रेश हर्ष का नागरिक अभिनंदन

बीकानेर, 27 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म बगीचा प्रन्यास के तत्वावधान में पुष्करणा समाज गौरव रत्न एवं भामाशाह चन्द्रेश हर्ष का नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गायत्री आश्रम, सागर के रामेश्वरानंदजी महाराज रहे, जबकि अध्यक्षता ब्रह्म बगीचा प्रन्यास के अध्यक्ष तोलाराम पेड़ीवाल ने की। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष शशिमोहन मुंधड़ा विशिष्ट अतिथि रहे।

रामेश्वरानंदजी महाराज ने कहा कि समाज के लिए समर्पित होकर कार्य करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने चन्द्रेश हर्ष के सेवा एवं सहयोग कार्यों को अनुकरणीय बताया। तोलाराम पेड़ीवाल ने कहा कि भामाशाह समाज की जरूरतों को समझकर आगे आते हैं और हर्ष का योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.